NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 184 लखनऊ, मंगलवार 24 फरवरी 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

आपका दर्द असहनीय और भविष्य...चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम मोदी का पैगाम

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 11 सालों में देश के लोगों के आशीर्वाद की ताकत से, एनडीए सरकार ने जनता की भलाई और पूरे विकास को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के लोगों को विधानसभा चुनाव से पहले एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने कहा कि राज्य की मौजूदा हालत देखकर वह बहुत दुखी हैं। इस साल होने वाले बड़े चुनावों से पहले राज्य में पार्टी के कार्यकर्ता यह चिट्ठी बांट रहे हैं। चिट्ठी में पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के लोगों को शुभकामनाएं दीं और बताया कि चुनाव के बाद राज्य की किस्मत का फैसला होगा। उन्होंने श्विकसितश पश्चिम बंगाल बनाने का अपना संकल्प भी बताया। सोनार बांग्ला का सपना देखने वाला हर कोई बहुत दर्द में है पीएम मोदी जय माँ काली के साथ चिट्ठी की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि बस कुछ ही महीनों में पश्चिम बंगाल

की किस्मत का फैसला हो जाएगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य और वह क्या दिशा लेगी, यह आपके सोचे–समझे फैसले पर निर्भर करेगा। आज मेरे सोनार बांग्ला का सपना देखने वाला हर युवा, बुजुर्ग और महिला बहुत दर्द में है। उनकी तकलीफ मेरे दिल को दुखाती है। इसलिए, मैंने अपने दिल की गहराइयों से एक संकल्प लिया है – पश्चिम बंगाल को श्विकसितश और समृद्ध बनाने का संकल्प। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 11 सालों में देश के लोगों के आशीर्वाद की ताकत से, एनडीए सरकार ने जनता की भलाई और पूरे विकास को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, षकिसानों की भलाई से लेकर युवाओं के सपनों को पूरा करने तक, और महिलाओं को मजबूत बनाने से लेकर समाज के हर तबके तक पहुँचने तक, हमारी नीतियों और लगातार कोशिशों के अच्छे नतीजे आज साफ दिख रहे हैं।ष अपने लेटर में, प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी की सरकार पर बहुत ज्यादा असहयोग का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की किस्मत का फैसला कुछ महीनों में हो जाएगा। राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, आज पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग श्जन–धन योजनाश के जरिए बैंकिंग सिस्टम से जुड़ चुके हैं। श्स्वच्छ भारत अभियानश के तहत राज्य में 85 लाख टॉयलेट बनाए गए हैं। जहां राज्य की सत्ताधारी पार्टी गरीबों की रोजी–रोटी छीन रही है, वहीं हमने छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को ध्2.82 लाख करोड़ के लोन देकर मदद का हाथ बढ़ाया है। मुझे अटल पेंशन योजना के तहत 56 लाख सीनियर सिटिजन्स को बुढ़ापे में आत्मनिर्भर बनाने का सौभाग्य मिला है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूँ कि मैंने उज्ज्वला योजना के जरिए 1 करोड़ से ज्यादा परिवारों को एलपीजी कनेक्शन देकर माताओं और बहनों को धुएं से आजाद किया है। लेटर में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल के किसान अपने परिवारों का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि वे षपूरे देश का पेट भरते हैंष। लेटर में कहा गया है, ऐसे मुश्किल हालात में, मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूँ कि मैंने श्किसान सम्मान निधिश के जरिए 52 लाख से ज्यादा किसानों को सीधे पैसे की मदद देकर उनके चेहरों पर मुस्कान लाई है।

दिल्ली-मेरठ अब 55 मिनट, पीएम मोदी ने नमो भारत RRTS और मेरठ मेट्रो को दी हरी झंडी

विजडम इण्डिया संवाददाता मेरठ धर्मेन्द्र कुमार

मेरठ के लिए एक ऐतिहासिक दिन होने वाला है। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन करेंगे।

इससे पहले ट्रेन का ट्रायल रन आयोजित किया गया, जिसमें दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के पत्रकारों ने हिस्सा लिया। ट्रायल के दौरान पत्रकारों ने बताया कि ट्रेन का सफर आरामदायक, तेज और सुविधाजनक था, और यह आने वाले समय में दिल्ली–मेरठ यात्रा का सारा अनुभव बदल देगा।

किन सेक्शनों का हुआ उद्घाटन?

इस परियोजना के तहत दिल्ली में सराय काले खां से न्यू अशोक नगर के बीच 5 किलोमीटर और मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक 21 किलोमीटर लंबे खंड का उद्घाटन किया गया। इससे अब पूरा 82 किलोमीटर का कॉरिडोर परिचालन में आ गया है। प्रधानमंत्री ने शताब्दी नगर से मेरठ साउथ तक 'नमो भारत' ट्रेन में यात्रा (Delhi Meerut RRTS Launch) भी की और यात्रियों से संवाद किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री Yogi Adityanath और National Capital Region Transport Corporation (NCRTC) के अधिकारी मौजूद रहे।

12,930 करोड़ की परियोजनाओं का तोहफा

मेरठ पहुंचने से पहले प्रधानमंत्री का स्वागत गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पर हुआ। इसके बाद मेरठ में करीब 12,930 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया गया। यह परियोजना सिर्फ परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास को गति देने वाला इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन भी मानी जा रही है।

नमो भारत – बुलेट जैसी रफ्तार, मेट्रो जैसी सुविधा

ट्रायल के दौरान ट्रेन ने 82 किलोमीटर का सफर केवल 55 मिनट में पूरा किया। पत्रकारों ने बताया कि ट्रेन की सीटें आरामदायक हैं और इंटीरियर मॉडर्न है। यात्रा के दौरान शांति और सुविधाओं का स्तर उच्च रहा, जिससे यात्रियों को लंबी दूरी भी जल्दी और आराम से तय करने में मदद मिलेगी। ट्रायल रन के दौरान सभी ने महसूस किया कि यह ट्रेन रोजमर्रा के सफर में समय की बहुत बचत करेगी। खासकर छात्रों, ऑफिस जाने वाले और डेली कम्यूटर्स के लिए यह सुविधा बहुत बड़ी राहत साबित होगी।पहले दिल्ली से मेरठ का सफर रोड से 2–3 घंटे तक लेता था। ट्रैफिक जाम और भीड़भाड़ आम समस्या थी। लेकिन अब नमो भारत ट्रेन से वही दूरी केवल 55–60 मिनट में तय हो जाएगी। ट्रेन तेज होने के साथ–साथ यात्रियों को आरामदेह सफर भी प्रदान करेगी। रोड पर गाड़ियों की भीड़ कम होगी और समय की बचत के साथ–साथ सफर का अनुभव भी बेहतर होगा। इसके अलावा यह सुविधा उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी है जो रोजाना ऑफिस, कॉलेज या किसी अन्य काम के लिए यात्रा करते हैं। उद्घाटन और रैली का बड़ा आयोजन

22 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी सराय काले खां से मोदीपुरम तक ट्रेन कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही मेरठ मेट्रो के बाकी सेक्शन का लोकार्पण भी होगा। इस दिन शहर में एक पब्लिक रैली का भी आयोजन किया गया है। प्रशासन ने पहले ही सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। पब्लिक से अनुरोध किया गया है कि वे बताए गए रूट का पालन करें और अपनी गाड़ियों को सही समय पर पार्क करें।

ट्रायल रन और आगामी उद्घाटन के लिए पुलिस ने अतिरिक्त अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया है। इस कदम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि रैली और ट्रेन उद्घाटन सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से हो। पब्लिक से अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और केवल निर्धारित रास्तों का इस्तेमाल करें। इससे न केवल यात्रा आरामदायक होगी बल्कि किसी अप्रत्याशित स्थिति से भी बचा जा सकेगा।

नमो भारत ट्रेन 82 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर तय करेगी। इसके मुख्य स्टेशन हैं मेरठ साउथ, सराय काले खां और मोदीपुरम। इस ट्रेन से यात्रियों को तेज, आरामदायक और समय बचाने वाला सफर मिलेगा। रोड पर ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और यह सुविधा खासकर डेली कम्यूटर्स, छात्रों और व्यावसायिक यात्रियों के लिए जीवन आसान बनाएगी।

Namo Bharat Train Trial Run 2026– भविष्य में फायदे

इस ट्रेन के संचालन से न केवल दिल्ली और मेरठ के बीच यात्रा का समय घटेगा, बल्कि रोजमर्रा के आवागमन में भी सुधार होगा। स्टूडेंट्स, ऑफिस जाने वाले और अन्य यात्रियों के लिए यह सुविधा गृहस्थी और व्यावसायिक जीवन दोनों में बड़ा बदलाव लाएगी। साथ ही, यह परियोजना शहर के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी मदद करेगी। लोग अब तेज और आरामदायक सफर का लाभ उठा पाएंगे, जिससे दिल्ली–मेरठ मार्ग का ट्रैफिक जाम और सड़क की भीड़ कम होगी।

22 फरवरी का दिन मेरठ के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्घाटन, ट्रायल रन में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और शहर में तैयारियों ने यह दिखा दिया कि नमो भारत ट्रेन आने वाले समय में दिल्ली–मेरठ यात्रा का गेम–चेंजर साबित होगी।

सिंगापुर दौरे पर मुख्यमंत्री योगी को बड़ी निवेश सफलता, उत्तर प्रदेश में 6,650 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त

सिंगापुर, लखनऊ दौरे पर गए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए पहले ही दिन महत्वपूर्ण उपलब्धियां सामने आई हैं। राज्य को वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से किए जा रहे इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने कई प्रमुख निवेश संस्थाओं और औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय बैठकें कीं। इन बैठकों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।दौरे के दौरान एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक समूह के साथ कुल 6,650 करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े तीन महत्वपूर्ण समझौते हुए। इन समझौतों के तहत समूह आवासीय परियोजना, माल परिवहन एवं भंडारण केंद्र तथा उच्च क्षमता वाले आंकड़ा केंद्र की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में लगभग 20 हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने का अनुमान है।पहली परियोजना के अंतर्गत जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट लगभग 100 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय स्वरूप की आवासीय बस्ती विकसित की जाएगी। इस पर लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। यह परियोजना वर्ष 2027 तक प्रारंभ करने की योजना है और इससे करीब 12 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इससे

जेवर क्षेत्र को आधुनिक शहरी स्वरूप मिलेगा और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।दूसरी परियोजना कानपुर–लखनऊ राजमार्ग पर लगभग 50 एकड़ भूमि में माल परिवहन एवं भंडारण केंद्र विकसित करने से संबंधित है। इस पर 650 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इस केंद्र के स्थापित होने से प्रदेश में औद्योगिक उत्पादों के परिवहन और निर्यात को नई गति मिलेगी तथा लगभग 7,500 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। यह परियोजना भी वर्ष 2027 तक प्रारंभ करने की योजना में है।तीसरी परियोजना के अंतर्गत नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट क्षमता वाला अत्याधुनिक आंकड़ा केंद्र स्थापित किया जाएगा। इस पर 2,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और लगभग 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। इस परियोजना को वर्ष 2028 तक प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख आंकड़ा केंद्र राज्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेश के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। उन्होंने राज्य की सुदृढ़ कानून व्यवस्था, विकसित हो रहे तीव्रगति मार्गों, रक्षा औद्योगिक गलियारे, बहु–आयामी परिवहन सुविधाओं तथा औद्योगिक नगरों के तीव्र विकास की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है तथा हर स्तर पर निवेशकों को सहयोग प्रदान करेगी।सिंगापुर दौरे के पहले ही दिन प्राप्त इस निवेश सफलता को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बड़ा हादसा, तेज रफ्तार बस पलटी, पांच लोगों की मौत की सूचना

संवाददाता।

लखनऊ के गोसाईगंज में बड़ा हादसा हुआ है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर एक तेज रफ्तार बस पलट गई। हादसे में पांच लोगों के मरने की सूचना है। राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज में बड़ा हादसा हो गया। जौखंडी गांव में सोमवार शाम 4रू30 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे से अफरा–तफरी मच गई। घटना में पांच लोगों की मौत की सूचना है। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने किसी से तरह से बस में फंसे लोगों को निकाला। पुलिस के मुताबिक कई लोगों को भर्ती करवाया गया है। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

एनसीपी चीफ शरद पवार की तबीयत फिर बिगड़ी अस्पताल में भर्ती

एजेंसी।

महाराष्ट्र। एनसीपी चीफ की हालत स्थिर है और डिस्चार्ज होने से पहले वे कुछ दिनों तक हॉस्पिटल में रहेंगे। हॉस्पिटल के चीफ कार्डियोलॉजिस्ट और चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. पुरवेज ग्रांट ने एक बयान में कहा, उन्हें हल्के डिहाइड्रेशन के लिए रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है और उन्हें इंट्रावीनस फ्लूइड की जरूरत है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के चीफ शरद पवार को रविवार को हल्के डिहाइड्रेशन के बाद पुणे के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इससे पहले उन्हें 9 फरवरी को सीने में इन्फेक्शन के बाद उसी रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया था और 14 फरवरी को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। एनसीपी चीफ की हालत स्थिर है और डिस्चार्ज होने से पहले वे कुछ दिनों तक हॉस्पिटल में रहेंगे। हॉस्पिटल के चीफ कार्डियोलॉजिस्ट और चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ.

पुरवेज ग्रांट ने एक बयान में कहा, उन्हें हल्के डिहाइड्रेशन के लिए रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है और उन्हें इंट्रावीनस फ्लूइड की जरूरत है। उनकी हालत स्थिर है। वे दो दिनों तक हॉस्पिटल में रहेंगे और उसके बाद उन्हें डिस्चार्ज किए जाने की उम्मीद है। डॉ. ग्रांट और हॉस्पिटल में कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. अभिजीत लोढ़ा उनके इलाज की देखरेख कर रहे थे। इस बीच, एनसीपी चीफ को इस महीने की शुरुआत में खांसी और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत के कारण उसी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। ट्रांसफर के दौरान उनके साथ उनकी बेटी सुप्रिया सुले और पत्नी प्रतिभा पवार भी थीं। 85 साल के विपक्षी नेता को खांसी, सर्दी और सांस लेने में दिक्कत जैसे लक्षण महसूस होने के बाद पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक हॉस्पिटल ले जाया गया। रूबी हॉल क्लिनिक के चीफ कार्डियोलॉजिस्ट और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. परवेज ग्रांट ने कहा कि पहुंचने पर, डॉक्टरों की एक टीम उनकी जांच करेगी और उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मेडिकल टीम उनकी हालत पर करीब से नजर रख रही है। इस समय उनके इलाज के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी गई है। पवार, एक पुराने नेता हैं, और उन्हें ओरल कैंसर भी हुआ था, जिसका पता 1990 के दशक के आखिर में चला था। इलाज के लिए उनकी अमेरिका और भारत में कई सर्जरी हुईं और तब से वे सेहत में गिरावट के बावजूद एक्टिव पब्लिक लाइफ जीते रहे हैं। यह उनके भतीजे अजित पवार की बारामती में एक प्लेन क्रैश में मौत के कुछ ही दिनों बाद हुआ है।

पाक्सो एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न के आरोपों पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बोले सरकार से नही डरते

संवाददाता।

लखनऊ। पॉक्सो एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न के आरोपों पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सरकार पर शंकराचार्यों पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस मामले को गौहत्या विरोधी आंदोलन को कमजोर करने की एक चाल बताते हुए कहा कि कथित पीड़ित उनके गुरुकुल से संबंधित नहीं हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को अपने खिलाफ दर्ज अधिनियम के तहत मामले को सरकार की एक चाल बताया, जिसका मकसद गौहत्या पर प्रतिबंध की मांग से ध्यान भटकाना है। एएनआई से बात करते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सरकार पर शंकराचार्यों पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि कथित च्ढ्ढ मामले में अन्य आरोपियों का उनके गुरुकुल से कोई संबंध नहीं है।धार्मिक नेता ने कहा कि हम समय–समय पर जनता से मिलते हैं। यह सरकार चाहती है कि हम ही धार्मिक नेता और सरकार दोनों बनें। देश में चार शंकराचार्य हैं जिन्होंने हमेशा सनातन धर्म की रक्षा की है। अब उन्होंने उन पर हमला करना

शुरू कर दिया है। सत्य कभी खत्म नहीं होताय वह हमेशा बना रहता है। गौहत्या पर प्रतिबंध की आवाज उठाई जा चुकी है, और हम इसे और भी बुलंद करते रहेंगे। ये लोग जनता का ध्यान किसी और चीज की ओर भटकाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश के लोग गायों की रक्षा चाहते हैं। चारों पीठों के शंकराचार्यों से मिलकर हम गौ माता की रक्षा के लिए यह आंदोलन चला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिन छात्रों की चर्चा हो रही है, वे हमारे गुरुकुल के नहीं हैं। आज सुबह उत्तर प्रदेश पुलिस स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के आवास पर कथित यौन उत्पीड़न के मामले में उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए स्वामी ने कहा कि वे पुलिस का किसी भी तरह से विरोध नहीं करेंगे और उनके साथ सहयोग करेंगे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्रकारों से कहा कि हम पुलिस का किसी भी तरह से विरोध नहीं करेंगेय हम उनके साथ सहयोग करेंगे। पुलिस जो भी करे, जनता सब कुछ देख रही है। देखिए, हमारे लिए तीन अदालतें हैं। एक निचली अदालत, एक मध्य अदालत और एक सर्वोच्च अदालत। निचली अदालत जनता है – लोग सब कुछ देख रहे हैं और वही फैसला सुनाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्य अदालत हमारी अंतरात्मा है – हम अपने दिल में जानते हैं कि हम सही हैं या गलत। और तीसरी है भगवान, सर्वोच्च अदालत – वह भी देख रहे हैं कि कौन गलत है और कौन सही। इसलिए ऐसी स्थिति में, हमें तीनों अदालतों से क्लीन चिट मिली हुई है। उन्होंने आगे कहा कि तो, जब वे कभी यहाँ आए ही नहीं और इस जगह से उनका कोई लेना–देना नहीं है, तो कोई उनके खिलाफ कुछ कैसे कर सकता है?

बंद मकानों की रेकी कर चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार, 18 लाख के आभूषण बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत मड़ियांव थाना क्षेत्र में बंद मकानों को निशाना बनाकर ताला और खिड़की तोड़कर चोरी करने वाले दो शातिर नकबजनों को अपराध शाखा और थाना मड़ियांव की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से लगभग 18 लाख रुपये मूल्य के आभूषण, करीब 100 ग्राम पीली धातु तथा लगभग एक किलोग्राम सफेद धातु के जेवरात, दो मोबाइल फोन, 8,800 रुपये नगद और चोरी में प्रयुक्त टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल बरामद की है।पुलिस के अनुसार मड़ियांव क्षेत्र में बीते दिनों बंद मकानों में ताला व खिड़की तोड़कर चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। 7 दिसंबर 2025 को प्रीतिनगर अन्ना मार्केट निवासी एक वादी ने घर का ताला तोड़कर सोने–चांदी के जेवरात और नकदी चोरी होने की सूचना दी थी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। इसी क्रम में 16 फरवरी 2026 को एक अन्य पीड़िता ने घर की खिड़की और

लॉकर तोड़कर जेवरात व नकदी चोरी किए जाने की तहरीर दी। दोनों घटनाओं के अनावरण के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई थी।23 फरवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर मड़ियांव पुल के नीचे से लाल रंग की टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल सहित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सोनू वर्मा उर्फ बोगा और सुन्दर लाल गुप्ता बताए। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से भारी मात्रा में जेवरात बरामद हुए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बरामद आभूषणों के संबंध में जनपद के विभिन्न थानों में पूर्व से अभियोग पंजीकृत हैं। बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में वृद्धि करते हुए वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज कर दिया गया है। एक अन्य वांछित अभियुक्त की तलाश जारी है।पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे बंद पड़े मकानों की पहले रेकी करते थे और यह सुनिश्चित करते थे कि घर के सदस्य बाहर गए हों। इसके बाद रात या सुनसान समय में ताला या खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश कर सोने–चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर लेते थे। चोरी का सामान स्थानीय सर्राफा बाजार में बेचकर रकम आपस में बांट लेते थे और व्यक्तिगत खर्च तथा शौक पूरे करने में इस्तेमाल करते थे।पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास रहा है और पूर्व में भी चोरी, शस्त्र अधिनियम तथा गिरोहबंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी की कार्रवाई विधिक प्रावधानों का पालन करते हुए की गई और दोनों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। अन्य थानों और जनपदों से भी इनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस ने तीन मुकदमों का सफल अनावरण करते हुए नागरिकों से अपील की है कि घर को लंबे समय तक बंद छोड़ने की स्थिति में पड़ोसियों और स्थानीय पुलिस को सूचित करें तथा संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

हाईस्कूल के छात्र की डंपर से कुचलकर मौत, दो गंभीर

कोरांव में यूपी संस्कृत बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे थे तीनों छात्र

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र में डंपर से कुचलकर सोमवार की सुबह करीब 8 बजे हाईस्कूल के एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना पांडेय का मड़हा सिकरो गांव के पास कोरांव नारी–बारी मुख्य मार्ग पर हुई।प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पंचायत कोरांव के चमनगंज मोहल्ला निवासी शाहिद अली (17) पुत्र स्व. छोटकऊ के साथ कैफ मोहम्मद उर्फ राज पुत्र कप्तान अली और एजाज अहमद पुत्र सरफुद्दीन रिजवी बाइक से यूपी संस्कृत

बोर्ड परीक्षा देने जा रहे थे। आनंद बोधाश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिवारीपुर में उनकी हाईस्कूल विज्ञान विषय की परीक्षा का सेंटर था। पांडेय का मड़हा सिकरो गांव के पास बालू लदे एक अनियंत्रित डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शाहिद अली डंपर के पहिए के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घायल एजाज अहमद और कैफ उर्फ राज का इलाज कोरांव बाजार के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शाहिद अली अपने दो भाई–बहनों में सबसे बड़ा था। घटना के बाद से उसकी विधवा मां और भाई–बहनों का बुरा हाल है। थाना प्रभारी राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि परिजनों को डंपर का नंबर मिल गया है और डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। घटना के बाद चालक डंपर लेकर मौके से फरार हो गया था। परिजनों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है।

उमेश पाल हत्याकांड के तीन शूटरों पर एक और एफआईआर

गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर पुलिस की गिरफ्त से दूर

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के शूटरों पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। कल 24 फरवरी को उमेश पाल की पत्नी जया पाल पति की याद में बड़ कार्यक्रम आयोजित करने जा रही हैं। तीन वर्ष बीत चुके हैं लेकिन हत्याकांड के शूटर 5–5 लाख के इनामी अब तक यूपी पुलिस, एसटीएफ की पकड़ से दूर हैं।उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार चल रहे पांच–पांच लाख के इनामी माफिया अतीक अहमद शूटर गुड्डू मुस्लिम उर्फ गुड्डू बमबाज, अरमान और साबिर के खिलाफ एक और एफआईआर एयरपोर्ट थाने में दर्ज की गई है। एयरपोर्ट थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह के अनुसार यह एफआईआर उन्होंने खुद वादी बन दर्ज कराई है। असल में शूटरों के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई, कोर्ट से वारंट आदि जारी होने के बाद भी वह सरेंडर नहीं कर रहे। ऐसे में बार बार नोटिस चस्पा, सूचनाएं देने, वारंट तामील कराने के बाद भी अदालत की अवमानना करने की वजह से एक और एफआईआर दर्ज हुई है।गुड्डू मुस्लिम निवासी चक निरातुल चकिया थाना खुल्दाबाद, अरमान पुत्र शमीम निवासी महात्मा गांधी मार्ग सिविल लाइंस प्रयागराज और साबिर पुत्र नसीम निवासी मरियाडीह थाना धूमनगंज के खिलाफ धूमनगंज थाने में 2ध्3 गैंगस्टर के तहत केस दर्ज किया गया था। इसकी विवेचना एयरपोर्ट थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह कर रहे हैं। इनके विरुद्ध 12 जून को न्यायालय की ओर से गैर जमानती वारंट जारी किया गया था, लेकिन यह तीनों बदमाश गिरफ्तार नहीं हो सके। इसके बाद 13 नवंबर 2025 को न्यायालय ने 83 बीएनएसएस का आदेश निर्गत किया। जिसके अनुपालन में तीनों बदमाशों के घर पर मुनादी कराई गई। बावजूद इसके तीनों बदमाश न तो न्यायालय और न ही विवेचक के समक्ष आत्मसमर्पण किए। यह तीनों लगातार फरार चल रहे हैं। यह कृत्य दंडनीय अपराध है। इस मामले में तीनों के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी गुड्डू मुस्लिम, शूटर साबिर और अरमान के ऊपर पांच–पांच लाख रुपये का इनाम रखा है। धूमनगंज प्रभारी अमरनाथ राय ने 24 अक्तूबर 2024 को थाने में माफिया अतीक अहमद के बेटे अली और उमर समेत कुल 15 आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें फरार चल रहे पांच लाख के तीन इनामी गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान भी शामिल थे।

बोर्ड परीक्षा प्रबंधन पर उठे सवाल, विषय अध्यापकों की डूटी पर आम आदमी पार्टी ने जताई आपत्ति

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी में संचालित बोर्ड परीक्षाओं के बीच परीक्षा प्रबंधन को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आम आदमी पार्टी के शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा नियमों की अनदेखी कर संबंधित विषय के अध्यापकों से ही उसी विषय की बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी कराई जा रही है।उन्होंने कहा कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के अनुसार जिस विषय की परीक्षा आयोजित हो, उस विषय के शिक्षक से परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी नहीं कराई जा सकती, ताकि परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता बनी रहे। इसके बावजूद कई परीक्षा केंद्रों पर इस नियम का उल्लंघन किया जा रहा है, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। उनका कहना है कि यदि नियमों को दरकिनार कर परीक्षा कराई जाएगी तो निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित होगी।जनपद के बप्पा वोकेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज, मोतीलाल इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, एमकेएसडी इंटर कॉलेज, विद्यांत इंटर कॉलेज, सेंटिनल इंटर कॉलेज और गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित अधिकांश केंद्रों पर कक्ष निरीक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता न होने से परीक्षा संचालन प्रभावित हो रहा है। केंद्र व्यवस्थापक लगातार अधिकारियों से संपर्क कर कक्ष निरीक्षकों की मांग कर रहे हैं, लेकिन आवश्यक संख्या अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है।महेंद्र सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि जिला विद्यालय निरीक्षक की कार्यप्रणाली के कारण शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है और शिक्षा विभाग पूरे मामले में मौन है। उन्होंने एक ऐसे शिक्षक का भी उल्लेख किया जिनकी हाल ही में हृदय सर्जरी हुई है, बावजूद इसके उनकी ड्यूटी घर से लगभग 50 किलोमीटर दूर परीक्षा केंद्र पर लगा दी गई है और अब तक उसमें संशोधन नहीं किया गया। इसे प्रशासनिक संवेदनहीनता बताते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की होगी।पार्टी ने मांग की है कि संबंधित विषय के अध्यापकों से उसी विषय की परीक्षा में ड्यूटी कराने पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा गंभीर रूप से अस्वस्थ शिक्षक की ड्यूटी निकटतम केंद्र पर स्थानांतरित की जाए। अन्यथा लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

होली-ईद पर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

प्रयागराज। अतरसुइया थाना परिसर में होली, रमजान और ईद पर्वों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई इस बैठक में क्षेत्र के सभासद, धर्मगुरु, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए।बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि होली और ईद हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं, जिनका मूल संदेश प्रेम, भाईचारा और आपसी सम्मान है। उन्होंने सभी समुदायों से अपील की कि वे पर्व के दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। साथ ही, किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न देने की सलाह दी गई।आगामी होली के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। गश्त बढ़ाई जाएगी और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था होगी। रमजान और ईद के दौरान मस्जिदों तथा प्रमुख मार्गों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे, ताकि नमाजियों को कोई असुविधा न हो। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि डीजे, जुलूस और अन्य आयोजनों में निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य होगा।इस अवसर पर सभासदों और क्षेत्रीय नागरिकों ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने आपसी सौहार्द बनाए रखने और किसी भी विवाद की

स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करने का आश्वासन दिया। सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर त्योहारों को शांति, सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाने तथा समाज में एकता का संदेश देने का संकल्प लिया।थाना प्रभारी ने दोहराया कि पुलिस प्रशासन आमजन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

लखनऊके चौक चौराहे का नामकरण पद्म विभूषण श्री अमृतलाल नागर के नाम पर, विकास कार्यो की सौगात

लखनऊ(आरएनएस) के ऐतिहासिक चौक क्षेत्र में महान साहित्यकार अमृतलाल नागर की पुण्यतिथि के अवसर पर चौक चौराहे का नाम आधिकारिक रूप से "पद्म विभूषण अमृतलाल नागर चौराहा" घोषित किया गया। इस अवसर पर भव्य नामकरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नगर की महापौर सुषमा खर्कवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत महापौर द्वारा अमृतलाल नागर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अमृतलाल नागर ने अपनी लेखनी के माध्यम से लखनऊ की तहजीब, संस्कृति और जनजीवन को अमर कर दिया। उनके साहित्य में शहर की आत्मा बसती है। उन्होंने कहा कि चौराहे का नाम उनके नाम पर रखा जाना न केवल सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को उनकी समृद्ध साहित्यिक विरासत से परिचित कराने का माध्यम भी बनेगा।समारोह के दौरान चौक कालीजी बाजार वार्ड में विभिन्न

विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया गया। इन कार्यों में सड़कों और नालियों के निर्माण के साथ–साथ पार्कों के सौंदर्यीकरण की योजनाएं शामिल हैं। मिर्जा मंडी मोहल्ले में अस्पताल से भूपेंद्र नाथ मल्होत्रा के आवास तक सीसी सड़क का निर्माण लगभग 9.85 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। शंकरी टोला क्षेत्र में हनुमान मंदिर से विभिन्न आवासों तक सीसी सड़क और नाली निर्माण कार्य लगभग 9.90 लाख रुपये में कराया जाएगा। इसी प्रकार कोनेश्वर मंदिर से अस्पताल तक सीसी सड़क और नाली निर्माण पर लगभग 9.80 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।इसके अतिरिक्त शंकरी टोला पार्क, दर्जी बगिया पार्क, टंडन फव्वारा और लाजपतनगर पार्क की रंगाई–पुताई एवं सौंदर्यीकरण पर लगभग 9.88 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। सोंधी टोला पार्क में बाउंड्री, प्रवेश द्वार और फुटपाथ निर्माण के लिए लगभग 19.93 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना और नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है।महापौर ने कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी और पार्कों के सौंदर्यीकरण से नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।कार्यक्रम में पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी', स्थानीय पार्षद एवं कार्यकारिणी सदस्य अनुराग मिश्रा 'अन्नू', डॉ. उमंग खन्ना, लखनऊ व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम कपूर, कवि सर्वेश अस्थाना, कवि सूर्य कुमार पाण्डेय, जोनल अधिकारी अमरजीत यादव तथा अधिशासी अभियंता अशोक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह में क्षेत्रीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया।

इंटर के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

एग्जाम से पहले दोस्त को काल की, दसवीं का टापर था

प्रयागराज। धूमनगंज थानाक्षेत्र के मुंडेरा में सोमवार सुबह इंटर के छात्र ने अपने रूम में फांसी के फंदे से लटक कर जान दे दी। छात्र दसवीं में अपने स्कूल का टॉपर रहा था। परिवार वालों और स्कूल के मुताबिक छात्र पढ़ने में बहुत होनहार था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा में जय सिंह अपनी पत्नी और दो बेटे समीर (17) और प्रिंस (10) के साथ रहते हैं। समीर कक्षा 12 में पढ़ता था। जबकि, प्रिंस कक्षा 5 का छात्र है। समीर के पेपर चल रहे थे। वह मुन्नी देवी इंटर कॉलेज में पढ़ता था। सोमवार दोपहर 2रू30 बजे से समीर यादव (17) का मैथ का पेपर था। वह पिछले कुछ दिनों से मैथ के एग्जाम की तैयारी को लेकर तनाव में था। रविवार रात भी वह देर तक पढ़ाई करता रहा। सोमवार सुबह करीब 7 बजे समीर की मां उसे जगाने के लिए पहुंचीं। कमरे के बाहर से कई बार आवाज लगाने के बाद भी अंदर से कोई रेस्पॉन्स नहीं मिला। शक होने पर परिजनों ने दरवाजा खोलने की कोशिश की। जब दरवाजा खोला गया तो अंदर का नजारा देखकर सभी सन्न रह गए। समीर कमरे के अंदर फंदे से लटका हुआ था। परिजनों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और अस्पताल ले जाने की कोशिश की। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सूचना मिलते ही धूमनगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई।

चचेरे भाई सत्यम के मुताबिक, सुसाइड से ठीक पहले समीर ने अपने एक दोस्त को फोन किया था। उसने कहा था कि उसे मैथ समझ में नहीं आ रही है। परीक्षा को लेकर बहुत डर लग रहा है। दोस्त ने समीर को समझाने की कोशिश भी की। लेकिन कुछ देर बाद ही उसने फोन काट दिया। घटना के बाद जब समीर के फोन की कॉल हिस्ट्री चेक की गई तो उसमें अंतिम बार दोस्त का नंबर डायल मिला। जब दोस्त से बात की गई तो उसने परिवार वालों को ये जानकारी दी।

भाजपा सरकार पर अखिलेश यादव का हमला, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि उसके नाम विकास का एक भी ठोस कार्य दर्ज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर है तथा महंगाई और बेरोजगारी से आमजन त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि जनता वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रही है और सत्ता परिवर्तन के बाद ही संविधान तथा लोकतंत्र की वास्तविक भावना बहाल होगी।अखिलेश यादव ने हाल के निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि कोंच क्षेत्र में लगभग 23 लाख रुपये की लागत से बनी सीसी सड़क दो माह के भीतर उखड़ने लगी। महोबा के उखरा गांव में 35 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़क की परतें बनते ही

उधड़ने लगीं। उन्होंने कहा कि पानी की टंकियां बनते ही गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो निर्माण कार्यों में गंभीर अनियमितताओं की ओर संकेत करती हैं। उनका कहना था कि जब कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं होगी तो गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है।उन्होंने सड़कों की स्थिति को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि गड्ढा मुक्त सड़कों के दावे कई बार किए गए, किंतु जमीनी हकीकत अलग है। सड़कों पर गड्ढों के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं और लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट आवंटन के बावजूद स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।रोजगार और शिक्षा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणामों में देरी या रद्द होने की घटनाओं से युवा निराश हैं। शिक्षकों को सम्मान के बजाय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों पर नए नियमों का दबाव बढ़ रहा है, जिससे असंतोष का माहौल है।कानून व्यवस्था पर भी उन्होंने चिंता व्यक्त की और कहा कि प्रदेश में अपराध की घटनाएं चिंता का विषय हैं। महिलाओं की सुरक्षा, हिरासत में मौतों और लूट–छेड़छाड़ की घटनाओं पर उन्होंने सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र की स्थिति पर प्रश्न उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में छात्रों की संख्या घट रही है और अस्पतालों में सुविधाओं की कमी की शिकायतें मिल रही हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और आगामी चुनाव में इसका असर दिखाई देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की तथाकथित दोहरे इंजन वाली सरकारें विभिन्न मोर्चोंपर अपेक्षित परिणाम देने में विफल रही हैं।

स्वामी हरिहरानंद सरस्वती बने थावे विद्यापीठ के कुलाधिपति

प्रयागराज। थावे विद्यापीठ के विशेष अधिवेशन प्रयागराज के स्वामी भजनानंद मृत्युंजय सेवा धाम, झूंसी में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यापीठ के विद्वत परिषद एवं समस्त पदाधिकारियों ने एकमत से महामंडलेश्वर श्री स्वामी हरिहरानंद सरस्वती – परमाध्यक्ष देवी संपद मंडल को थावे विद्यापीठ का कुलाधिपति बनाने की अधिसूचना जारी की।कला, साहित्य और संस्कृति के उन्नयन और विकास के क्षेत्र में कार्य करने वाले थावे विद्यापीठ, गोपालगंज, बिहार की एक दिनी विशेष अधिवेशन प्रयागराज धाम के संगम तट पर स्थित स्वामी भजनानंद मृत्युंजय सेवा धाम, झूसी के स्वामी भजनानंद मंडपम, भव्य सभागार में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यापीठ के समस्त पदाधिकारी, विद्वत परिषद एवं सामान्य परिषद की बैठक में महामंडलेश्वर श्री स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज, जो देवी संपद मंडल के परमाध्यक्ष भी हैं, के नाम का प्रस्ताव थावे विद्यापीठ के उप कुलसचिव डॉ गिरधारी लाल अग्रवाल ने रखा। जिस पर कुलपति डॉ विनय कुमार पाठक, प्रतिकूलपति डॉक्टर जंग बहादुर पांडे, कुलसचिव डॉक्टर पीएस दयालयति ने अपनी सहमति प्रकट की। इस अनुशंसा के बाद स्वामी हरिहरानंद सरस्वती के नाम की थावे विद्यापीठ के कुलाधिपति के रूप में अधिसूचना जारी कर नियुक्ति कर दी गई। जिसका उपस्थित जन समुदाय ने करतल ध्वनि स्वागत किया। इसके साथ ही प्रतिकूलपति डॉक्टर जंग बहादुर पांडे, जिनका कार्यकाल आज पूरा हो रहा था, उनको पुनः प्रतिकूलपति के पद पर ही चयनित किया गया। नवनियुक्त कुलाधिपति डॉ हरिहरानंद सरस्वती ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे थावे विद्यापीठ के उत्कर्ष में मनसा वाचा कर्मणा संलग्न हो कर सबके साथ मिलकर कार्य करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यापीठ के माध्यम से सेवा का एक सुअवसर प्राप्त हुआ है हम सबको इसका लाभ उठाना चाहिए।

स्कूल बस-ट्रक की टक्कर, 5 बच्चे और ड्राइवर घायल

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह स्कूली बच्चों से भरी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा बेरुई गांव के पास फाफामऊ सहसों फोरलेन हाईवे पर हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय बस में करीब 51 छात्र सवार थे, जो यूपी बोर्ड हाईस्कूल की अंग्रेजी विषय की परीक्षा देने जा रहे थे। सभी छात्र शिव सेवा इंटर कॉलेज के बताए जा रहे हैं। उनका परीक्षा केंद्र बाबू जे आर डी पाल इंटर कॉलेज में निर्धारित था।हादसे में पांच छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दर्जनों छात्रों को हल्की चोटें आई हैं। तीन छात्रों के पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है। दो अन्य छात्रों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस चालक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। सभी घायलों को बहरिया सीएचसी और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।मौके पर पहुंचे अभिभावकों का कहना है ।

माघ मेला के असली सूत्रधार- स्वच्छता दूतों के सम्मान के साथ भागीरथ प्रयास का ऐतिहासिक 389वाँ सप्ताह

माघ मेला जैसे विशाल धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन की सफलता के मूल में कार्यरत स्वच्छता कर्मियों के योगदान को सार्वजनिक सम्मान देते हुए भागीरथ सहयोग सेवा संस्थान द्वारा रविवार को संगम घाट पर भागीरथ प्रयास (स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान) का 389वाँ चरण गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ निरंतर चल रहा यह अभियान अब केवल स्वच्छता कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदना का सशक्त उदाहरण बन चुका है।

माघ मेला समापन पर श्रम का सार्वजनिक सम्मान

माघ मेला अवधि के दौरान दो माह तक प्रतिकूल परिस्थितियों में अहर्निश सेवा देने वाले स्वच्छता कर्मियों को अंगवस्त्र एवं मिष्ठान भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उस श्रम का सार्वजनिक स्वीकार था, जिसके बल पर करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच मेला स्वच्छ और सुव्यवस्थित रह सका।

विशिष्ट अतिथियों की सहभागिता

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक कृष्ण मोहन (प्रांत संयोजक, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, काशी प्रांत) रहे।

विशिष्ट अतिथि अनूप शुक्ला (डिप्टी कमांडेंट, ठैथ) उपस्थित रहे।

इसके साथ विशाल पांडेय (ोच पोस्टल) और अमित पांडेय (विभाग संयोजक, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि) की सहभागिता रही।

स्वच्छता को नागरिक कर्तव्य बताया

कृष्ण मोहन ने कहा कि प्रकृति और नदियों की रक्षा अभियानों से अधिक नागरिक आचरण पर निर्भर करती है।

अनूप शुक्ला ने कहा कि स्वच्छता कर्मी माघ मेला के वास्तविक अनुशासन वाहक हैं और समाज का दायित्व है कि उनके श्रम को सम्मान दे।

संस्थापक का स्पष्ट संदेश

संस्थान के संस्थापक एवं राष्ट्रीय सचिव अवनीश सिंह चंदेल ने कहा कि भागीरथ प्रयास का उद्देश्य केवल घाटों की सफाई नहीं, बल्कि समाज में यह चेतना स्थापित करना है कि स्वच्छता सेवा नहीं, संस्कार है। 389 सप्ताह की निरंतरता इस संकल्प की पुष्टि करती है।

संगठनात्मक सहभागिता

कार्यक्रम के सफल संचालन में राष्ट्रीय विधि सलाहकार हरदेव सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अनीश मौर्य, भागीरथ सेवक अवनीश पांडे (प्रदेश प्रवक्ता) , रामानंद यादव, रवि सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही।

25वें श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव में झूमे श्रद्धालु

सुल्तानपुर(आरएनएस)। श्री श्याम प्रभु खाटू वाले के 25 वें श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव खुर्शीद क्लब में नाथ नगरी बरेली की अंजली द्विवेदी और संतोष ब्यास के मधुर भजनों पर भक्त झूम उठे। रजत जयंती वर्ष मे कोलकाता से आए कलाकारों ने मेवे से भव्य खाटू नरेश का नयनाभिराम दरबार सजाया. यहाँ श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर दर्शन एवं पूजन किया। महोत्सव का शुभारंभ मंडल के वरिष्ठ सदस्य अशोक अग्रवाल एवं अशोक मुरारका ने सपत्नीक विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन कर ज्योत प्रज्वलित कर किया. बालाजी म्यूजिकल ग्रुप के भजन प्रवाहक राजवीर श्रीवास्तव ने गणेश वंदना और हनुमत वंदना के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया.मंडल के सदस्य महक कसौधन एवं अंकुश शुक्ला ने श्याम भजन प्रस्तुत किए। यहाँ अंजली द्विवेदी ने ष्तेरी नजरों से नजर जो मिलाया जादूगर है श्याम मेरा दरबार में जादू है,श्याम नाम के पागल हम ,खाटू की गलियों की तो बात निराली है एक मैं नहीं पागल दुनिया मतवाली है,देखे ताज और कुतुबमीनार,उनसे बढ़कर तोरण द्वार,श्दानी दयालु तेरे द्वार पे जो भी आया, श्याम तेरी किरपा उस पर हो गईश जैसे भजनों से भक्तगण भाव विभोर होकर थिरकने लगे। राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित संतोष ब्यास (रिंग्स राजस्थान)रू के सुरीले भजन यह चमक यह दमक फुलवन में महक , सब कुछ सरकार तुम्ही से है, तुम्हे प्रीत निभानी पड़ेगी, मुझे श्याम अपना बना कर देखो,मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है हमें तो जो भी दिया श्याम बाबा ने दिया और भर दे रे श्याम झोली भर देश पर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। जनपद में पहली बार श्याम प्रभु का श्रृंगार कोलकाता के कारीगरों द्वारा निर्मित सूखे मेवे से किया गया था,खाटू श्याम की गर्भ गृह की तर्ज पर यहां भी बाबा का मंदिर का स्वरूप का दरबार बनाया गया था। इस वर्ष श्याम भक्तों की इतनी अपार भीड़ थी कि पूरा खुर्शीद क्लब खचाखच भरा हुआ था। सजीव चित्रण झांकी के माध्यम से नृसिंह अवतार का मनमोहक मंचन किया गया। आयोजक मंडल के पुरुषों के लिए ड्रेस कोड कुर्ता पैजामा फटका तथा कुर्ता पर कृष्ण जी का बैज तथा महिलाओं ने राजस्थानी चुनरी धारण की थी जो कि आकर्षण का केंद्र रहा। यहाँ श्याम प्रेमियों ने श्राधे जी की रसोईश में भोजन प्रसाद का आनंद लिया कार्यक्रम में तोरण द्वार एवं गौसेवा का सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था। आज बिरज में होली रे रसियाश, श्होलिया में उड़े रे गुलाल श्याम तेरे मंदिर मेंश जैसे भजनों पर फूलों की होली खेली गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, आशीष अग्रवाल एडवोकेट, पिंटू अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, आलोक कनोडिया, अशोक मुरारका, रजत कनोडिया, अंकुर, विजय विद्रोही, श्वेतम अग्रहरि, श्याम मोदनवाल, राजकुमार अग्रवाल, गंगा प्रसाद कसौधन और रवि जायसवाल, मनीष आदि की भूमिका उल्लेखनीय रही।इसके अतिरिक्त प्रमुख रूप से सुरेंद्र सिंह (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेंट) , डॉ धीरेंद्र (जिला सूचनाअधिकारी),उपनिदेशक कृषि, विभाग सर संघ चालक डॉक्टर एके सिंह, जिला प्रचारक आशीष जी ,विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्षसत्येंद्र वीर सिंह, सरदार बलदेव सिंह सी ए संतोष सिंह , डॉ संजय मिश्रा एवं जिले के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

ग्राम पंचायत भवन में नहीं बैठते कर्मचारी, ग्रामीण परेशान

बल्दीराय सुलतानपुर(आरएनएस)। विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में बने पंचायत भवनों में कर्मचारियों के नियमित रूप से न बैठने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समय" ८ट कार्य हर ग्राम पंचायतों में चल रहा है छोटे–छोटे कार्यों के लिए भी उन्हें ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है, जबकि हर तरह की सुविधा ग्राम पंचायत सचिवालय से मिलनी चाहिए इस समय परिवार रजिस्टर एक मूल दस्तावेज के रूप में प्रयोग में लिया जा रहा है जिसमें ब्लॉक कर्मचारियों द्वारा मोटी रकम वसूली जा रही है। जिससे समय और धन दोनों की हानि हो रही है।ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपये की लागत से निर्मित ग्राम पंचायत भवनों में पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध होने के बावजूद वहाँ कोई कर्मचारी कार्य करने के लिए उपस्थित नहीं रहता। सरकार की मंशा थी कि पंचायत भवनों को गांव के विकास की गतिविधियों का केंद्र बनाया जाए और आय, जाति, निवास तथा मृतक प्रमाण पत्र जैसी आवश्यक सेवाएँ स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराई जाएँ। किंतु कर्मचारियों की उदासीनता के कारण ये भवन निष्प्रयोज्य साबित हो रहे हैं।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि विकासखंड स्तर पर भी इस समस्या के समाधान के प्रति अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायतों से संबंधित सभी कार्यक्रम और जनसेवाएँ पंचायत भवनों से ही संचालित हों, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं और सुविधाओं का समुचित लाभ मिल सके। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

दिल्ली मैराथन में डा. सुप्रीत वर्मा का कीर्तिमान, बढ़ाया मान

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जनपद के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि प्रसिद्ध सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा ने नई दिल्ली मैराथन में रिकॉर्ड समय में दौड़ पूरी कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से न केवल चिकित्सा जगत बल्कि पूरे सुल्तानपुर जनपद का नाम रोशन हुआ है। नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित मैराथन में देश–विदेश से हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा और चुनौतीपूर्ण मार्ग के बीच डॉ. सुप्रीत वर्मा ने अद्भुत सहनशक्ति, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए निर्धारित दूरी को रिकॉर्ड समय में पूरा किया। उनकी इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।डॉ. सुप्रीत वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अभ्यास, संतुलित जीवनशैली और माता पल्लवी वर्मा एवं पिता सुप्रसिद्ध फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आर ए वर्मा परिवार के सभी लोगों तथा शुभचिंतकों के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि व्यस्त चिकित्सकीय दायित्वों के बावजूद स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना और समय निकालकर अभ्यास करना ही उनकी सफलता का मूल मंत्र रहा।जनपद के सामाजिक, चिकित्सा एवं खेल प्रेमी वर्ग में हर्ष का वातावरण है। विभिन्न संगठनों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. सुप्रीत वर्मा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सुल्तानपुर वासियों का मानना है कि उनकी यह

उपलब्धि युवाओं को खेल एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देगी।

युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही खुशी राय

जौनपुर । किसी भी राष्ट्र की समृद्धि और विकास में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है ।भारत देश इस मामले में भाग्यशाली है कि, यहां युवाओं की संख्या अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक है । युवा अपनी शक्ति ,सामर्थ और उर्जा का सही दिशा में उपयोग कर खुद को विकसित करने के साथ ही देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है । उक्त बातें नगर के अचलादेवी घाट स्थित सच्चिदानंद राय मुन्ना व अंजू राय की पुत्री खुशी राय ने विदेशों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर स्वदेश वापसी पर एक मुलाकात के दौरान कहीं । मद्रास क्रिश्चियन कालेज से स्नातक की पढ़ाई कर खुशी राय ने एशिया में प्रथम व वैश्विक स्तर पर आंठवा स्थान रखने वाली नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर से एमआईएम से फाइनेंस में स्पेशलाइजेशन कर परास्नातक की शिक्षा पूरी किया है। खुशी को अपने देश के साथ ही विदेशों की नामी गिरामी कम्पनियों ने जॉब आफर करना शुरु किया । लेकिन खुशी खुद का उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने के साथ ही अन्य युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहती है । खुशी ने बताया की विदेश में पढ़ाई के साथ साथ कई अन्य देशों जार्जिया, जापान , मलेशिया,वियतनाम आदि देशों की सभ्यता, संस्कृति और विकास के आयाम को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला । अन्य देशों की तुलना में भारत प्राकृतिक रुप से अधिक समृद्धशाली है, युवाओं की संख्या अधिक है, पर्यावरण व पर्यटन के क्षेत्रों में कार्य करने की असीमित संभावनाए हैं ।

उन्होंने कहा कि, भारत साधन और संभावनाओं से भरा देश है। युवा साकारात्मक दिशा में उर्जा का सदुपयोग कर नये उद्यम स्थापित कर खुद को समृद्ध बनाने के साथ ही देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित सकते हैं ।

दिव्यांगों और बुजुर्गों को आज मिलेंगे उपकरण

-आएंगे केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, भाजपाइयों का होगा जमावड़ा

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिले के भदैया क्षेत्र के ग्राम जादीपुर (पोस्ट पखरौली) स्थित बसंतवीर बाबा धाम के मैदान में आज सोमवार को सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों तथा एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा शामिल होंगे। यह आयोजन भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत किया जा रहा है।शिविर का आयोजन (।स्प्डब्) द्वारा किया जा रहा है, जबकि जिला प्रशासन सुलतानपुर का सहयोग भी रहेगा। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शुरू होगा, जिसमें बड़ी संख्या में दिव्यांगजन और बुजुर्गों को सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की भी संभावना है। इनमें जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह, विधायक सीताराम वर्मा, विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, विधायक विनोद सिंह, विधायक राजेश कुमार गौतम, विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे।

नन्हें मुन्ने बच्चों ने रोजा रख मिषाल पेष किया

जौनपुर। रमजान के पवित्र माह में इबादत के लिए बच्चे भी रोजा रख रहे हैं। नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नंबर नौ के निवासी पूर्व प्रधानाचार्य तुफानी खॉन के दोनों नातियों नें रोजा रखकर एक मिशाल पेश किया है। और बेरोजेदार लोगों को सीख दी है कि आप को भी पवित्र माह रमजान में सभी लोगों को रोजा रखकर सवाब हासिल करना चाहिये। और अपनें किये गुनाहों से तौबा करना चाहिये। मोहल्ला सिपाह निवासी अमजद खॉन समाजसेवी के दोनों भांजों साहिर अली खॉन सात वर्ष व तौहीद खॉन 8 वर्ष नें पूरे दिन का रोजा रखकर सब्र और अल्लाह की इबादत में वक्त बिताया। कम उम्र में रोजा रखकर साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन नें न सिर्फ अपनें परिवार, बल्कि आसपास के लोगों को भी प्रेरित किया। स्वजनों के अनुसार घर के अन्य सदस्य जब रोजा रखकर इबादत कर रहे थे, तो साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन दोनों भाइयों का भी मन रोजा रखने को मचल उठा। दोनों नन्हें मुन्ने बच्चों ने खुद रोजा रखनें की इच्छा जताई। घर के लोगों नें उम्र को देखते हुए उसे समझानें की कोशिश की, लेकिन नन्हें बच्चों की जिद के आगे उनकी एक न चली। आखिरकार परिवार नें उसकी भावना का सम्मान करते हुए दोनों बच्चों को रोजा रखने की इजाजत दे दी। साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन दोनों बच्चों नें परिवार के साथ सहरी की और पूरे दिन धैर्य व संयम के साथ रोजा निभाया। नमाज के दौरान दोनों बच्चों नें अल्लाह की बारगाह में देश में अमन–चौन और खुशहाली की दुआएं मांगी। शाम को अजान होते ही साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन इफ्तार कर अपना पहला रोजा मुकम्मल किया। साहिर अली खॉन की मां रोशनी खानम और तौहीद खॉन की मां सकीना बानों नें बताया कि रमजान का माहौल और घर में इबादत देखकर बेटे के मन में रोजा रखने की चाह जागी बेटे का हौसला देखकर उन्हें फख्र महसूस हुआ।

विष्व में उंची हुई है भारत की छवि राजेष

जौनपुर।भारत मंडपम में हुए इस वैश्विक मंच पर जो हरकत हुई है, वह सिर्फ एक राजनीतिक गलती नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मसम्मान पर सीधा हमला है उक्त विचार उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने एक बयान में कहा और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सत्ता की हताशा में ये लोग देश की प्रतिष्ठा तक दांव पर लगाने से पीछे नहीं हटते। अब इनका विरोध सिर्फ भाजपा से नहीं है। इनका विरोध भारत की प्रगति, भारत की उपलब्धियों और भारत की वैश्विक छवि से हे। कहा कि राष्ट्र पहले या राजनीति पहले इनके लिए जवाब साफ है, और दुर्भाग्य से वह राष्ट्र नहीं है।

भीम आर्मी की महारैली 25 को

जौनपुर । जिले में 25 फरवरी को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी एक महारैली का आयोजन कर रही हैं। यह रैली मीरगंज गांव स्थित श्री कृष्ण इंटर कॉलेज के मैदान में होगी। इसका उद्देश्य श्संवैधानिक अधिकार बचाओ, भाईचारा बनाओश् है। इस महारैली का मुख्य उद्देश्य संवैधानिक अधिकारों और समाज की रक्षा करना है, साथ ही भाईचारे को बढ़ावा देना भी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीम आर्मी चीफ, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद होंगे।

व्यापार मंडल ने आनलाइन व्यापार पर ज्ञापन पीएम को भेजा

जौनपुर । व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जौनपुर सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि मनोज कुमार मौर्य को ज्ञापन देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजने का आग्रह किया। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में ऑनलाइन व्यापार ई–कॉमर्स के अनियंत्रित और असंतुलित विस्तार के कारण देश के छोटे एवं मध्यम व्यापारियों का व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुआ है स्थानिक दुकानदार जो वर्षों से समाज की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था की रीढ़ रहे हैं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं, ई–कॉमर्स रूल 2020 के अनुसार ई–कॉमर्स प्लेटफार्म केवल मध्यस्थ की भूमिका निभाये, किंतु निजी लेवल पसंदीदा विक्रेताओं को अनुचित लाभ एवं इन्वेंटरी नियंत्रण से मार्केटप्लेस एवं इन्वेंटरी मॉडल के बीच का अंतर समाप्त हो रहा है अतः दोनों मॉडलों के बीच स्पष्ट विभाजन हेतु ठोस दिशा निर्देश लागू किया जाए, व्यापार मंडल छोटे पारंपरिक व्यापारियों के संरक्षण हेतु रजिस्टर व्यापारियों को आयुष्मान जैसी स्वास्थ्य बीमा योजना व आग त्रासदी जैसी आपदा पर राहत राशि आदि की व्यवस्था किया जाए, क्योंकि यह ऑनलाइन व्यापार की समस्या लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित कर रही है यह स्थिति केवल आर्थिक कि नहीं बल्कि सामाजिक और असंतुलन भी उत्पन्न कर रही है क्योंकि छोटे व्यापारी समाज की रोजगार व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है, । संजय केडिया, चेतन टंडन, संतोष साहू बच्चा, अरुण कपूर, संजय कुमार साहू, सुनील जायसवाल, दिलीप साहू, राकेश जायसवाल, रवि गुप्ता, हफीज शाह, प्रियांशु साहू आदि उपस्थित रहे।

घर में तोड़फोड़ व लूट का आरोप, लगाई गुहार

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव निवासी राजकुमार यादव ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर ग्राम प्रधान समेत अन्य लोगों पर घर में घुसकर तोड़फोड़ व लूटपाट करने का आरोप लगाया है। राजकुमार यादव, जो वर्तमान में राजस्थान के पचपदरा स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं, ने आरोप लगाया कि 30 अक्टूबर 2024 को पड़ोसी अनुराग की हत्या के मामले में उनके परिवार के सदस्यों की गिरफ्तारी के दौरान प्रशासन की मौजूदगी में घर की महिलाओं के करीब 20 लाख रुपये के जेवरात व पांच लाख रुपये नकद ग्राम प्रधान वीरेंद्र यादव को सुरक्षा के लिए सौंपे गए थे। आरोप है कि बाद में उक्त सामान वापस नहीं किया गया।पीड़ित का कहना है कि उनकी अनुपस्थिति में ग्राम प्रधान ने अन्य लोगों के साथ मिलकर घर में रखा अनाज, गैस सिलेंडर, इंजन व अन्य कीमती सामान उठा लिया तथा मकान की छत, खिड़की और दरवाजों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने करीब डेढ़ करोड़ रुपये के नुकसान का दावा करते हुए बच्चों के शैक्षणिक दस्तावेज गायब होने की भी बात कही है।पीड़ित ने थानाध्यक्ष से मौके पर जाकर वीडियोग्राफी कराने और आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पत्रकार पर अभद्र टिप्पणी , अभियुक्त के घर नोटिस चस्पा

जौनपुर। थाना बक्शा की पुलिस ने सोशल मीडिया पर पत्रकार के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में सख्त रुख अपनाया है। प्रकरण में वांछित अभियुक्त सिंगर निलेश यादव पुत्र राम अवध यादव के घर बेल्छा पुलिस ने नोटिस चस्पा कर 23 फरवरी तक थाने में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।मामला न्यूज वन इंडिया के जिला संवाददाता देवेंद्र खरे के विरुद्ध सोशल मीडिया पर की गई अमर्यादित टिप्पणी से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी द्वारा फेसबुक के माध्यम से आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी, जिसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है।थाना बक्शा प्रभारी ने बताया कि अभियुक्त को निर्धारित तिथि तक थाने में उपस्थित होकर जांच में सहयोग करने का अवसर दिया गया है।

सुन्नखी पंजाबण द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस को शानदार तरीके से मनाया गया

अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा को समर्पित एक रंगारंग सांस्कृतिक समारोह का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम शहीद बिशन सिंह मेमोरियल सीनियर सेकंडरी स्कूल, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया गया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य पंजाबी मातृ भाषा के महत्व को उजागर करना और नई पीढ़ी को अपनी भाषा और संस्कृति से जोड़ना था। प्रोग्राम में विद्यार्थियों, कलाकारों और समाज के प्रमुख सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया। इस समारोह का मुख्य आकर्षण पंजाबी कविता पाठ, पंजाबी नाटक प्रस्तुति, लोकगीत और लोक नृत्य रहे। जिनमें विभिन्न विद्यार्थी, कलाकारों ने हिस्सा लिया।

इस मौके मनप्रीत कौर, समीक्षा, अमनदीप कौर और गगनप्रीत कौर ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति की। परनीत कौर ने कविता पेश करने के साथ–साथ पंजाबी भाषा इतिहास और साहित्य के बारे में प्रकाश डाला। मनप्रीत कौर ने पंजाबी लोकगीतों की विभिन्न प्रस्तुतियाँ पेश कीं और साथ ही सिमरन रंधावा और गगनदीप ने पंजाबी बोली और संस्कृति से संबंधित खूबसूरत स्किट पेश किए। मंच का संचालन जसलीन कौर और मनप्रीत कौर द्वारा किया गया। इसके साथ ही मातृ भाषा विषय पर भाषण और विचार–विमर्श भी करवाया गया। जिस दौरान भागीदारों ने अपनी कला के माध्यम से पंजाबी संस्कृति की रूह और विरासत को सुंदर ढंग से पेश किया। कनाडा से शिरकत करके आए असीसप्रीत कौर ने विदेशों में पंजाबी भाषा और पंजाबियों की भाषाई कठिनाइयों के बारे में जानकारी दी। दर्शकों द्वारा भी कार्यक्रम को भरपूर सराहना मिली। आयोजकों ने अपने संबोधन में कहा कि मातृ भाषा हमारी पहचान, संस्कृति और संस्कारों की नींव है। पंजाबी भाषा को घर–घर तक पहुंचाना और नई पीढ़ी में इसके प्रति गर्व की भावना जगाना समय की आवश्यकता है। डॉ. अवनीत कौर भाटिया ने घर में बच्चों के साथ पंजाबी पढ़ने, लिखने और बोलने के महत्व पर जोर दिया। समारोह के अंत में सभी उपस्थित लोगों द्वारा पैंती अक्षर लिखकर पंजाबी बोली को सम्मान भेंट किया गया और साथ ही भागीदारों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए और सभी का धन्यवाद किया गया।

निरंकारियों ने 25 स्थानों पर सफाई अभियान चलाया

जौनपुर। जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जीवन की आधारशिला और मानव सभ्यता की जीवनरेखा। जब यह जल स्वच्छ और संरक्षित रहता है, तो केवल पर्यावरण ही नहीं, समाज का सामूहिक स्वास्थ्य और संतुलन भी सुदृढ़ होता है। इसी विचार को साकार रूप देते हुए जनपद में प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत 43 शाखाओं ने मिलकर 25 स्थानों पर अलग–अलग जगह नदी, घाट तालाबों पर सभी शाखाओं के मुखी, संचालक, क्षेत्रीय संचालक, शिक्षक सहित सेवा दल के भाई बहन और संगत के महात्मा स्वच्छता अभियान में सम्मिलित होकर सफाई का कार्य किये। शहर के गोमती नदी के तट शाही पुल के पास हनुमान घाट एवं गोपी घाट के पास श्याम लाल साहू संयोजक व अमरनाथ विश्वकर्मा जी क्षेत्रीय संचालक के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में संत निरंकारी मिशन की सेवादार व श्रद्धालुओं द्वारा प्रातः 8 से 11 बजे तक सफाई का कार्य किया गया। श्री राजेश कुमार प्रजापति (क्षेत्रीय संचालक,) ने शाहगंज क्षेत्र का नेतृत्व किये। यह केवल एक पर्यावरणीय प्रयास नहीं, बल्कि अध्यात्म, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत समन्वय था, जो जन–जन के अंतर्मन को स्पर्श करते हुए जागरूकता एवं कर्तव्यबोध की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाता है।संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चेरटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति सामूहिक संकल्प का संदेश देती है। सभी स्थानों पर 1 घंटे का सत्संग का भी आयोजन हुआ ।सतगुरु माता सुदीक्षा के पावन संदेशों को बताते हुए ओम प्रकाश विश्वकर्मा ने बताया कि बाबा जी की शिक्षाएँ केवल स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं। सतगुरु माता जी ने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से दी जाती है।

जाति संघर्ष का सर्वसमावेशी समाधान वक्तकी जरूरत

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के दिशा–निर्देशों से ना सिर्फ जाति विमर्श केंद्र में आ गया है, बल्कि हिंदू समाज जातीय खांचे में बंटता नजर आ रहा है। आर्थिक और शैक्षिक विकास की वजह से जाति विभाजन की जो रेखाएं मध्यम पड़ने लगी थीं, वे एक बार फिर गहरी होती नजर आ रही है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद जैसा स्पष्ट विभाजन हिंदू समाज में दिख रहा था, कुछ उसी राह पर एक बार फिर समाज बढ़ता दिख रहा है। जाति के तवे पर राजनीतिक रोटी सेंकने वाले कुछ दल यूजीसी की गाइडलाइन को लागू करने के लिए छात्रों के बीच जाति विमर्श की आंच को हवा दे रहे हैं तो इस गाइडलाइन के विरोध में खड़े सवर्ण समाज के लोग भी अपने समाज के छात्रों को लामबंद करने में प्राणपण से जुटे हुए हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट के बाद जिस तरह नया राजनीतिक विमर्श खड़ा हुआ, जिससे कुछ राजनीतिक दलों और शख्सियतों को उभरने का मौका मिला, कुछ वैसे ही हालात एक बार फिर बनते दिख रहे हैं। अगर यूजीसी गाइडलाइन का सर्वसमावेशी हल नहीं खोजा गया तो हिंदुत्व की राजनीति पर भी असर पड़ सकता है। हिंदू एकता का सपना भी खतरे में पड़ सकता है। राजनीति के बारे में एक धारणा है। सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास ने जाति विभाजन को जहां कमजोर किया, वहीं राजनीति इसे जिंदा करने में सफल हुई है। सामाजिक यात्रा में पिछड़ी रह गई जातियों के उत्थान के नाम पर राजनीति ने जाति विमर्श को केंद्र में लाने का सबसे बड़ा योगदान विश्वनाथ प्रताप सिंह को जाता है, जिन्होंने देवीलाल के राजनीतिक रसूख को काबू में करने के लिए 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को झाड़ा और उसे लागू कर दिया। पैंतीस साल पहले के उस फैसले ने समाज को बुरी तरह विभाजित कर दिया। मंडल आयोग के खिलाफ तकरीबन समूचा उत्तर भारत धधक उठा था। सवर्ण समुदाय के छात्रों और नौजवानों को अपना भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने खुद को आग के हवाले करना शुरू कर दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह कविता भी करते थे। कवि को लेकर धारणा है है कि वह कोमल हृदय का स्वामी होता है। लेकिन आग की लपटों के बीच धू–धूकर जवानी को जलती देखकर भी कवि हृदय प्रधान मंत्री नहीं पसीजे थे। उस दौर के शरद यादव सवर्ण समाज के कटु आलोचक और पिछड़ावादी राजनीति के प्रबल पैरोकार के रूप में उभरे।

मंडल आयोग की रिपोर्ट से समाज के बीच जो खाई पैदा हुई, बाद की राजनीति ने उसे और ज्यादा चौड़ा और गहरा ही किया है। पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी। यूथ फॉर इक्वलिटी के बैनर तले दिल्ली में इस फैसले के खिलाफ युवा सड़कों पर उतर पड़े। इस आंदोलन के चलते भी सामाजिक विभाजन बढ़ा। शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में आरक्षण के विरोधी समुदायों और इसके समर्थक समुदायों के बीच एक बार फिर विभाजक रेखा गहरी हुई। इससे भी देश उबर रहा था कि यूजीसी की गाइडलाइन आ गई और फिर से एक बार भारतीय समाज गहरे अंतरद्वंद्व और सामाजिक संघर्ष से जूझने लगा। यह संघर्ष अभी समाज में सीधे तो नहीं दिख रहा, लेकिन विश्वविद्यालयों के परिसर इसके चलते उबल रहे हैं। एक तरफ इस गाइडलाइन के समर्थक हैं तो दूसरी तरफ उसके विरोधी। आज पिछड़ावाद, दलितवाद, अल्पसंख्यकवाद और महिलावाद का जोर है। इन तबकों के उभार के विचार को सामाजिक न्याय करीब साढ़े तीन दशकों से स्वीकार किया जा रहा है। इन वादों को सामाजिक लोकवृत्त यानी पब्लिक स्फीयर के केंद्र में लाने का विचार समाजवादी राजनीतिक दलों का रहा है, लेकिन इसे मूर्त रूप में लाने वाले कांग्रेसी मूल के राजनेता ही रहे हैं। समाजवादी दलों के ही परोक्ष समर्थन से पहली बार तीस मई 1933 को बिहार के मौजूदा रोहतास जिले के करगहर में त्रिवेणी संघ की स्थापना हुई थी। जिसमें कोइरी यानी कुशवाहा, कुर्मी और यादव जातियों के नेता साथ आए थे और पिछड़ावादी राजनीति की नींव डाली थी। एक तरह से जातिवादी राजनीति की नींव आजादी के पहले ही पड़ गई थी। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करते वक्त विश्वनाथ प्रताप सिंह भले ही जनता दल नामक समाजवादी विचारधारा वाले दल के नेता थे, लेकिन महज तीन साल पहले तक वे कांग्रेसी थे। अर्जुन सिंह भी कांग्रेसी ही थे। आज राहुल गांधी भी जाति जनगणना को लेकर उत्साहित नजर आते हैं। पता नहीं राहुल गांधी को पता है या नहीं, अर्जुन सिंह और विश्वनाथ प्रताप सिंह को जानकारी जरूर रही होगी। राहुल गांधी की दादी के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 27 जून 1961 को देश के मुख्यमंत्रियों के नाम तीस पैराग्राफ का एक लंबा खत लिखा था। उसके चौबीसवें से छब्बीसवें पैरे में नेहरू ने आज की जाति आधारित आरक्षण को एक तरह से नकार दिया है। उस चिट्ठी में उन्होंने भारत को बनाने को लेकर उनकी जो सोच रही, उसका गहन जिक्र किया है। इस पत्र में नेहरू स्पष्ट रूप से अपने विचार को जाहिर करते हैं। वे आरक्षण आधारित विकास और समाज नहीं चाहते थे, बल्कि ज्ञान केंद्रित समाज का विकास चाहते थे। नेहरू के लिखा था, श्मुझे किसी भी रूप में आरक्षण पसंद नहीं है। खासकर नौकरियों में आरक्षण। मैं ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ हूं जो अक्षमता को बढ़ावा देता है और हमें औसत दर्जे की ओर ले जाता है। यूजीसी की गाइडलाइन का विरोध कर रहे लोग अगर आज यही बात कहें तो उन्हें सामाजिक न्याय का विरोधी माना जाएगा। मंडल आयोग की रिपोर्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद से जिस तरह का राजनीतिक विमर्श स्थापित हुआ, उसमें सवर्ण समाज अपने लोगों के विकास और आरक्षण विरोध की बात करने की हिम्मत नहीं दिखा पाता था। ऐसा करने से उसे दकियानूस माने जाने का खतरा नजर आता था। इसलिए उसने चुप्पी साधे रखी। लेकिन बाद के वर्षों में एससी–एसटी कानून का सवर्ण समाज के खिलाफ जारी दुरूपयोग ने सामाजिक रूप से आगे माने जाते रहे वर्णों और जातियों को मौका मिला। बाढ़ का पानी जब नाक तक पहुंच जाता था, तब व्यक्ति उससे बचाव के लिए छटपटाने लगता है। सवर्ण समाज के लिए यूजीसी की गाइडलाइन नाक तक पहुंचा बाढ़ का पानी है। उसी पानी से बचाव की छटपटाहट ही है कि गाइडलाइन के खिलाफ समूचे देश के सवर्ण समाज में गहन क्षोभ और गुस्सा नजर आ रहा है।

सम्पादकीय

कमान शृंखला को लेकर प्रश्न

देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने लद्दाख क्षेत्र में 2020 में हुई घटनाओं के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान शृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं।

पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की कथित रूप से अप्रकाशित किताब कैसे छपे रूप में और उसकी पीडीएफ कॉपियां आम लोगों तक पहुंच गईं, यह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया के लिए अहम मसला हो सकती है, लेकिन देशवासियों के सामने यह मुख्य मुद्दा नहीं है। देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने 2020 में भारतीय सीमा के अंदर चीन की पैठ बनने और उसी क्रम में कैलाश रेंज में हुई घटना के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान शृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं। चूंकि उससे सर्वोच्च राजनीतिक नेतृत्व सवालों के घेरे में आया है, तो कुछ दूसरे हलकों से जनरल नरावणे के कर्त्तव्य निर्वाह के रिकॉर्ड पर निशाने साधे गए हैं।

पूछा गया है कि जब मई– जून 2020 से चीनी सेना ने लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाके में घुसपैठ की, तो उसे रोकने में भारतीय सेना क्यों नाकाम रही? उस दौरान खुद जनरल नरावणे के दिए कुछ बयानों का उद्धरण देते हुए कहा गया है कि तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने चीनी कार्रवाइयों की गंभीरता की या तो उपेक्षा की अथवा उन्होंने उससे देश को नावाकिफ रखा। उधर जनरल नरावणे की किताब से संकेत मिलता है कि सेना को श्टॉफ्य से बिना अनुमति के फायरिंग ना करने का निर्देश था। इसी बीच एक संकटपूर्ण मौका आया और तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने दिशा–निर्देश मांगा, तो राजनीतिक नेतृत्व ने पहले तो लेट–लतीफी की और फिर उन पर डाल दिया गया कि जो उचित लगे उसे वे करें।
विशेषज्ञों के मुताबिक इस पूरे प्रकरण में युद्ध संबंधी टैक्टिकल, ऑपरेशनल, एवं स्ट्रेटेजिक निर्णय प्रक्रिया घालमेल का शिकार हो गई लगती है। चूंकि ये बात बहुचर्चित हुई है, तो भारत के श्दुश्मनोंय ने भी उस पर गौर किया होगा। इसलिए असल सवाल ऐसी कमजोरियों को तुरंत दूर करने का है। जरूरी यह है कि इस पर समग्र चर्चा हो और जवाबदेही की शृंखला तय की जाए। इसके विपरीत किताब कैसे सार्वजनिक हो गई, जैसे मुद्दे को योजनाबद्ध ढंग से तरजीह दी जा रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रकाशक के साथ–साथ पुस्तक लेखक भी इसमें सहयोगी बन गए हैं।

समझौते की घोषणा किसी को पता नहीं

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है? क्या कैबिनेट में विचार हुआ? मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ? सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की? क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की? साझा घोषणा क्यों नहीं हुई? याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी। इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा।

सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था तो सोमवार, दो फरवरी की देर रात को इसकी घोषणा की क्या जरुरत थी?

ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में श्पहला ट्रांचय यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती? पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती!लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे` करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था।हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि श्प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैंय।

राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 के वर्षपर्यत सियासी मायने

जहां तक इनकी प्रमुख तारीखों की बात है तो चुनाव आयोग ने पहले चरण में 10 राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव घोषित किए हैं। जिसके लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी होगी, नामांकन 5 मार्च तक, और मतदान–मतगणना 16 मार्च 2026 को। जबकि बाकी सीटें नवंबर में भरी जाएंगी, जिसमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें सबसे महत्वपूर्ण हैं।चिरंजीवी सदन श्राज्यसभाश के द्विवार्षिक चुनाव के लिए वर्ष 2026 में विभिन्न चरणों में खाली होने वाली कुल 71–75 सीटें के लिए चुनाव होंगे, जो पूरे वर्ष अप्रैल और नवंबर में भरी जाएंगी। लिहाजा, इन चुनावों के राजनीतिक मायने गहन व अहम हैं, क्योंकि ये चुनाव जहां एनडीए की बहुमत मजबूती बढ़ा सकते हैं, वहीं विपक्ष को भी कमजोर कर

सकते हैं। इससे भाजपा व उसके साथियों का चुनावी हौसला बढ़ेगा।जहां तक इनकी प्रमुख तारीखों की बात है तो चुनाव आयोग ने पहले चरण में 10 राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव घोषित किए हैं। जिसके लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी होगी, नामांकन 5 मार्च तक, और मतदान–मतगणना 16 मार्च 2026 को। जबकि बाकी सीटें नवंबर में भरी जाएंगी, जिसमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें सबसे महत्वपूर्ण हैं। इन दस चुनावी राज्यों में से 6 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जबकि 4 राज्यों में इंडी गठबंधन के घटक दल सरकार में हैं। जहां तक राज्यवार सीटों की बात है कि पहले चरण में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल की 5, बिहार की 5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा की 2 और छत्तीसगढ़ की 1 सीटें शामिल हैं, जबकि दूसरे चरण में उत्तरप्रदेश की 10 और झारखंड, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना आदि की 20 से अधिक सीटों के लिए नवम्बर में चुनाव होंगे। जहां तक उच्च सदन राज्यसभा में वर्तमान दलगत स्थिति की बात है तो राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जहां भाजपा के 103 और एनडीए के 121–129 सांसद हैं। जबकि विपक्षी इंडिया (प्छक्प्।) ब्लॉक के पास 78–80 सीटें हैं, जिसमें कांग्रेस के 27 सांसद हैं। जहां तक इन चुनावों के राजनीतिक प्रभाव की बात है तो इन चुनावों में एनडीए को 7–9 या इससे अधिक सीटों का लाभ मिलने का अनुमान है, जिससे उनकी संख्या 145 तक पहुंच सकती है। जबकि विपक्ष को 5 सीटें खोने का खतरा, खासकर बिहार, महाराष्ट्र में है। इससे भाजपा को राज्यसभा में अब कोई भी विधेयक पास करना आसान होगा और सुपरमेजॉरिटी की ओर बढ़त भी उसे मिलेगी। सवाल है कि इन चुनावों में एनडीए को कितनी सीटें मिलने की संभावना है तो राजनीतिक विश्लेषकों को अनुमान है कि एनडीए को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 48 या इससे अधिक सीटें मिलने की संभावना है, जिससे उनकी ताकत 129 से बढ़कर 140 हो सकती है। पहले चरण के 37 सीटों पर 5–7 का लाभ अनुमानित है, जबकि उत्तर प्रदेश जैसे बाद के चरणों से भी उसे अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 71–75 खाली सीटों में से एनडीए को नेट 7–9 या 48 सीटें हासिल हो सकती हैं। चूंकि वर्तमान में एनडीए के 121–129 सदस्य हैं, इसलिए चुनाव बाद 145 तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं बाद के जून–नवम्बर वाले दूसरे चरणों के प्रभाव की बात है तो वे भी स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों में भाजपा को 7–8 मिलनी संभावित है, जबकि ओडिशा, तेलंगाना आदि में स्थिरतामिलेगी।, कुल मिलाकर सुपरमेजॉरिटी (123) पक्की होगी। जबकि विपक्ष को 5 नुकसान होगा।जहां तक इन चुनावों में इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें मिलने की बात हैं तो इंडिया गठबंधन को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 71–75 सीटों में से नेट 5 का नुकसान हो सकता है, जिससे उनकी संख्या 80 से घटकर 75 रह जाएगी। पहले चरण के 37 सीटों पर भी नुकसान की स्थिति बनी हुई है, हालांकि कुछ राज्यों में स्थिरता संभव है। विश्लेषकों के अनुसार, इंडिया ब्लॉक वर्तमान 80 सीटों से 75 पर सिमट सकता है।

पारदर्शिता से जवाबदेही की ओर भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एआई की भूमिका

संजीव चोपड़ा

पिछले एक दशक के दौरान, भारत ने अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी खाद्य सुरक्षा संरचना का डिजिटलीकरण किया है। खरीद एवं भंडारण से लेकर परिवहन, वितरण और सब्सिडी के निपटारे तक, मूल्य श्रृंखला का हर चरण अब डिजिटल प्रणालियों द्वारा संचालित है। यह व्यवस्था निरंतर संचालन से जुड़े आंकड़े सृजित करने के साथ–साथ ही हर महीने लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रही है।
शासन संबंधी अगली चुनौती इस पारदर्शिता को प्रशासनिक जवाबदेही में बदलना है। सिर्फ दृश्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को पैटर्न की व्याख्या करने, जोखिमों को प्राथमिकता देने और समय पर प्रतिक्रिया देने में भी समर्थ होना चाहिए। इस बदलाव को देखते हुए, केन्द्र सरकार पूरी प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर रही है।
खरीद प्रक्रिया के दौरान, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को कुटाई के बाद आपूर्ति किए गए चावल की गुणवत्ता का आकलन टूटे हुए दानों के प्रतिशत, अशुद्धियों और रंग में बदलाव जैसे निर्धारित मापदंडों के आधार पर दृश्य आधारित मूल्यांकन पर निर्भर करता है। बड़े पैमाने पर, मानवीय व्यक्तिपरकता के कारण नतीजे भिन्न हो सकते हैं। इसलिए, एआई से लैस स्वचालित अनाज विश्लेषक (एजीए) का उपयोग तस्वीर–आधारित विश्लेषण के जरिए इन मापदंडों का आकलन करने हेतु किया जा रहा है। माप को मानकीकृत और व्यक्तिपरकता को कम करके, ये प्रणालियां मौजूदा खरीद मानदंडों के भीतर काम करते हुए गुणवत्ता के सत्यापन में निरंतरता को बेहतर बना रही हैं।एफसीआई और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (सीडब्ल्यूसी) द्वारा संचालित भंडारण केन्द्रों में, निगरानी को मजबूत करने हेतु आईओटी–आधारित निगरानी प्रणालियों की शुरुआत की जा रही है। सेंसर तापमान, आर्द्रता, फॉस्फीन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को मापते हैं, जबकि एआई से लैस कंप्यूटर विजन टूल स्वचालित तरीके से बोरियों की गिनती और स्टॉक के सत्यापन में सहायता करते हैं। ये प्रणालियां माल–सूची (इन्वेंट्री) और पर्यावरणीय स्थितियों से संबंधित निरंतर आंकड़े सृजित करती हैं। डीएफपीडी के वेयरहाउस ग्रेडिंग प्लेटफॉर्म, डिपो दर्पण के साथ एकीकृत, इस आंकड़े का विश्लेषण प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स का उपयोग करके खराब होने के जोखिम, स्टॉक संबंधी विसंगतियों या अनुपालन की कमियों से जुड़े पैटर्न की पहचान करने हेतु किया जा सकता है ताकि शीघ्र और अपेक्षाकृत अधिक जोखिम–आधारित पर्यवेक्षण से जुड़ी कार्रवाई संभव हो सके।
खाद्यान्नों की आवाजाही के दौरान, मार्ग अनुकूलन उपकरणों (श्अन्न चक्रय) का उपयोग करके जहां परिवहन की योजना बनाई जाती है, वहीं व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीएस) ट्रक की आवाजाही से जुड़े वास्तविक समय में जीपीएस आधारित आंकड़े सृजित करते हैं। राज्यों ने मार्ग अनुकूलन के जरिए लगभग 238 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत की है। मार्ग संबंधी योजना भले ही व्यवस्थित है, लेकिन राज्यों में हजारों यात्राओं की निगरानी करना परिचालन संबंधी चुनौतियां पेश करता है। आवागमन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने और बार–बार होने वाले मार्ग विचलन, असामान्य देरी या असामान्य ठहराव को चिह्नित करने के उद्देश्य से एआई–आधारित पैटर्न का पता लगाने और विसंगति की पहचान करने की योजना बनाई जा रही है। ये विश्लेषण निगरानी को मजबूत कर रहे हैं और परिवहन संचालन के अपेक्षाकृत अधिक केन्द्रित सत्यापन को संभव बना रहे हैं।
वितरण वाले चरण में, राज्यों द्वारा रखे गए लाभार्थियों के रिकॉर्ड को स्मार्ट–पीडीएस प्लेटफॉर्म के तहत समेकित किया जाता है। इससे राशन कार्डों का एक एकीकृत राष्ट्रीय भंडार तैयार होता है। यही नहीं, इससे राज्य द्वारा परिभाषित मानदंडों के तहत संभावित रूप से अपात्र कार्डों की पहचान करने हेतु अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ सत्यता की पुष्टि (क्रॉस–वेरिफिकेशन) भी संभव हो पाती है। अब तक, इस तरह के सत्यापन के जरिए 8.51 करोड़ राशन कार्डों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 2.18 करोड़ कार्डों को राज्य सरकारों द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद हटा दिया गया है। हालांकि नामों, पतों, आधार सीडिंग और परिवार की संरचना में विसंगतियां बड़े पैमाने पर नियम–आधारित जांच की प्रभावशीलता को सीमित कर सकती हैं। संभावित नकल, संबंधित पहचानों या परिवारों के असामान्य पुनर्गठन की पहचान करने हेतु मशीन लर्निंग पर आधारित आंकड़ों के मिलान की तकनीकों का उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले जोखिम संबंधी संकेत राज्यों द्वारा लक्षित सत्यापन में सहायता करेंगे, जिससे मौजूदा पात्रता संबंधी मानदंडों के भीतर सटीकता बेहतर होगी।लाभार्थियों की शिकायतें सेवाओं की आपूर्ति और अनाज की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। शिकायत दर्ज कराने हेतु कई साधन (ऑनलाइन पोर्टल, कॉल सेंटर, व्हाट्सएप और आईवीआरएस सहित) मौजूद हैं, लेकिन शिकायतों की संख्या और भाषाई विविधता के कारण समय पर उनका निपटान और समाधान करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने अन्न सहायता होलिस्टिक एआई सॉल्यूशन (आशा) शुरू किया है, जो बहुभाषी वॉयस आउटरीच और एआई–आधारित विश्लेषण का उपयोग करके लाभार्थियों से व्यवस्थित प्रतिक्रिया एकत्र करता है। स्वचालित वर्गीकरण और भावनाओं के विश्लेषण प्रशासकों के लिए डैशबोर्ड तैयार करते हैं, जिससे प्राथमिकता के निर्धारण और प्रतिक्रिया में लगने वाले समय में सुधार होता है। आशा वर्तमान में प्रति माह लगभग 20 लाख लाभार्थियों तक पहुंचती है और पूरे देश में इसका विस्तार किया जा रहा है।
अंत में, राज्य सरकारें खरीद लागत घटकों से संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ एनएफएसए के लिए सब्सिडी दावे (स्कैन) पोर्टल के जरिए सब्सिडी संबंधी दावों को प्रस्तुत करती हैं। प्रारूप और चेकलिस्ट भले ही मानकीकृत हैं, लेकिन अपूर्ण, बेमेल या अस्पष्ट दस्तावेज के कारण जांच और प्रतिपूर्ति में देरी हो सकती है। दस्तावेजों की प्रासंगिकता, डेटा की निरंतरता और अपलोड की स्पष्टता की पुष्टि करने हेतु एआई–आधारित दस्तावेज सत्यापन और गुणवत्ता मूल्यांकन का उपयोग किया जा रहा है। इससे बार–बार की पूछताछ कम होती है और दावों के निपटारे की प्रक्रिया में दक्षता और निरंतरता बेहतर होती है।भारत की खाद्य सब्सिडी संरचना ने डिजिटलीकरण के जरिए पहले ही बर्बादी को कम कर दिया है। अगला बदलाव जवाबदेही में निहित है। खरीद, भंडारण, परिवहन, वितरण और दावों के निपटान की प्रक्रिया में एआई को शामिल करके, यह प्रणाली जोखिमों का शीघ्र पता लगाने, त्रुटियों को तेजी से सुधारने और लाभार्थियों को उनका हक समय पर दिलाने में अधिक समर्थ हो जाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका सोचा हुआ काम पूरे होंगे। परिवार के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता–पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा।
वृष राशि –
आज आपको इनकम में बढ़ोतरी के लिये किसी की मदद मिल सकती है। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी किसी काम के लिये आपकी तारीफ कर सकते है,
मिथुन राशि–
आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आपकी फिटनेस बनी रहेगी। आप जीवनसाथी की किसी काम में मदद करेंगे।
कर्क राशि–
आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। आर्थिक उतार–चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिलेगी। व्यापार की गति ठहरने से किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे, जिससे जल्द ही सबकुछ अच्छा हो जायेगा।
सिंह राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में भाई–बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। अनियमित दिनचर्या के कारण थोड़ा आलस्य और थकान बना रहेगा।
कन्या राशि–
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। मित्र आपसे सहयोग के लिए कह सकता है,
तुला राशि –
आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। माता–पिता का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से आपको बचना चाहिए। छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं।
वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको मानसिक उलझनों से मुक्ति मिलेगी, जिससे काफी राहत महसूस करेंगे। परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे।
धनु राशि–
आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। आज आप घरेलू काम को निपटाने में सफल रहेंगे।
मकर राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। आज आप अपना काम समय से पूरा कर लेंगे।
कुंभ राशि–
आज आपको अच्छी खबर मिलेगी, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। लम्बे समय से चल रहा किसी कोर्ट–कचहरी के मामले को निपटने के लिए किसी खास दोस्त से फोन पर राय लेंगे।
मीन राशि–
आज आपके व्यक्तित्व में निखार आयेगा। अध्यात्म के प्रति लगाव बढ़ेगा। जीवनसाथी के सहयोग से काम पूरे हो जायेंगे।

यूजीसी के नये नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर मेधा का धरना 12 वें दिन भी जारी

छात्रों को जातियों में बांटने का षड़यंत्र स्वीकार नहीं-दीन दयाल त्रिपाठी

बस्ती। यूजीसी के नये नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पाण्डेय के नेतृत्व में गांधी कला भवन के स्थित बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना पिछले 12 दिनों से जारी है। मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि जब तक यूजीसी का भेदभाव पैदा करने वाला कानून वापस नहीं लिया जाता मेधा का चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। चुनावी लाभ के लिये छात्रों को जाति, वर्ग में बांट देने का षड़यंत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा। बताया कि ध ारने को अनेक सामाजिक संगठनों, प्रबुद्धजनों का समर्थन मिल रहा है। सरकार को अपना निर्णय वापस लेना ही होगा।अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षा परिसरों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी नए नियमों के विरोध में अनिश्चित कालीन धरना बापू प्रतिमा के समक्ष लगातार 12 दिनों से जारी है। यूजीसी का यह निर्णय छात्रों को जातियों में बांटने वाला है जो खतरनाक है। सरकार इसे वापस ले। उन्होंने धरने को समर्थन देने वाले सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, संगठनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि लगातार मिल रहे जन समर्थन से उनका हौसला बढा है।बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना के 12 वे दिन मुख्य रूप से अभयदेव शुक्ल, रवि शुक्ला, वैभव शुक्ला, सन्तोष प्रधान, बृजेश द्विवेदी, रामरीका पाण्डेय, चन्द्रेश प्रताप सिंह, प्रभात मिश्र, विपिन तिवारी, स्वदेश तिवारी, राजकुमार मिश्र, कैलाश शर्मा, राजन सिंह, अंशु जायसवाल, गौरव पाण्डेय, अंकित त्रिपाठी, विवेक मिश्र, पवन मिश्र, शेषनाथ पाण्डेय, विपुल पाण्डेय, सर्वेश कुमार शुक्ल आदि शामिल रहे।

जाम और शोर से नागरिक त्रस्त

70 प्रतिशत मैरिज हालों के पास पार्किंग की जगह नहीं क्षेत्रफल का 30 प्रतिशत हिस्सा पार्किंग के लिए जरूरी

बस्ती। शादियों के चल रहे सीजन में शहर व कस्बों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। जिले में संचालित होने वाले मैरिज होम और बैंक्वेट हॉल संचालकों की मनमानी चरम पर है। एक हालिया सर्वे और प्रशासनिक आंकड़ों की मानें तो जिले के लगभग 70 फीसदी मैरिज हालों के पास अपनी निजी पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा, रात भर मानकों के विपरीत बजने वाले डीजे ने स्थानीय निवासियों और विशेषकर परीक्षा की तैयारी में लगे छात्रों व बुजुर्गों का जीना मुहाल कर दिया है। नियमों के मुताबिक, किसी भी कमर्शियल हाल या मैरिज गार्डन के पास मेहमानों के वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग स्पेस होना अनिवार्य है। लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके उलट है। शहर के मुख्य मार्गों पर स्थित अधिकांश बैंक्वेट हालों में पार्किंग के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई है। मेहमान अपने वाहन मुख्य सड़क पर पार्क करते हैं, जिससे घंटों लंबा जाम लगता है। कई मैरेज संचालकों ने तो फुटपाथों को ही पार्किंग जोन बना दिया है, जिससे पैदल चलने वालों को जान जोखिम में डालकर सड़क के बीच से गुजरना पड़ता है। जबकि नियम यह है कि कुल क्षेत्रफल का 30 प्रतिशत हिस्सा पार्किंग के लिए अनिवार्य है। रात 10 बजे के बाद डीजे या लाउडस्पीकर का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है। रिहायशी इलाकों में रात के समय शोर की सीमा 45 से 55 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए।

विषाक्तपदार्थ के सेवन से अचेत की उपचार के दौरान हुई मौत

मीरजापुर। लालगंजथाना क्षेत्र से लहंगपुर निवासी 40 वर्षीय रत्नाकर ने अज्ञात कारणों से शनिवार को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। स्वजनों को जानकारी होने पर आनन–फानन उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल मीरजापुर लेकर गए। जहां उपचार के दौरान रत्नाकर की मौत हो गई। अस्पताल से मिली जानकारी के बाद लहंगपुर चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया।

लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत लहंगपुर निवासी हरिनाथ का 40 वर्षीय पुत्र रत्नाकर शनिवार को अज्ञात कारणों से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। स्वजनों को जानकारी होने पर आनन–फानन उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान रत्नाकर की मौत हो गई। चौकी प्रभारी सुजीत सेठ ने बताया कि शनिवार की रात अस्पताल के इमरजेंसी में स्वजनों ने रत्नाकर को अचेतावस्था में भर्ती कराया था जहां उपचार के दौरान रत्नाकर की मौत हो गई। अस्पताल के मेमो पर मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इधर रत्नाकर की मौत की जानकारी मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया।रत्नाकर के दो पुत्री है जिनमें बड़ी पुत्री 22 वर्षीया शिवानी व 13 वर्षीया काजल है अभी किसी पुत्री की शादी नहीं हुई है। पत्नी व बेटियों का रो रो कर बुरा हाल है।

यूजीसी का नया नियम लाकर सरकार देश को गृह युद्ध की ओर ले जा रही है-रामभद्राचार्य

राम कहने मात्र से चारों वेदों के पाठ का फल मिलता है
जातिवाद के नाम पर आरक्षण क्यों, प्रतिभाओं को सम्मान मिले

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में रविवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरू वशिष्ठ रामायण कथा के पांचवे दिन अपने पैतृक गांव बढ़नी मिश्र में कथा को विस्तार देते हुये कहा कि श्रीराम, लक्ष्मण , भरत , शत्रुघ्न के जन्म, नामकरण, श्रीराम नाम महिमा के विविध प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया। कहा कि यूजीसी का नया नियम लाकर सरकार देश को गृह युद्ध की ओर ले जा रही है। इसका परिणाम भयावह होगा। पंथ अनेक हैं, हम सब हिन्दू एक हैं। रामभद्राचार्य ने कहा कि जातिवाद के नाम पर आरक्षण क्यों, प्रतिभाओं को सम्मान मिले।बडा नीक लागै वशिष्ठ जी कै गउवा, जहां राम विद्यार्थी बन के अइलें। सहित अनेक धार्मिक गीतों को स्वर देते हुये रामभद्राचार्य ने श्रीराम जन्म, नामकरण, बाल लीला का वृहद वर्णन करते हुये कहा कि राम कहने मात्र से चारों वेदों के पाठ का फल मिलता है। चौपाई नहीं गाओगे तो चौपट हो जाओगे। रामभद्राचार्य ने कहा कि जिनसे राष्ट्र का मंगल होता है वही राम हैं। रामभद्राचार्य ने कहा कि हिन्दू समाज कुरीतयों से दूर हो। श्रीराम मंदिर बन जाने के बाद देश तीसरी अर्थ व्यवस्था बनने की ओर है। ' वो नन्हें– मुन्ने राम जरा सामने तो आओ' आदि के माध्यम से उन्होने गुरू वशिष्ठ महिमा का गान किया।भोजपुरी सिनेमा के स्टार गायक आर्यन बाबू ने 'दुनिया में देव हजारों है भगवान तुम्हारा क्या कहना, तेरी शक्ति का क्या कहना तेरी भक्ति का क्या कहना व हनुमान चालीसा गाकर सबका मन मोह लिया। श्री तुलसी पीठ चित्रकूट धाम के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्र दास जी महाराज ने कथा आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की बढ़नी मिश्र में वशिष्ठ रामायण कथा पूरे विश्व को प्रभावित करेगी।संघ के प्रांत प्रचारक रमेश , विभाग प्रचारक ऋषि, जिला प्रचारक सरवेंद्र, हरैया के जिला प्रचारक राघवेंद्र , प्रांत सेवा प्रमुख रवि शंकर , एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज अयोध्या सुरेंद्र मोहन सहाय, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह, गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला, नगर पंचायत बनकटी के अध्यक्ष प्रतिनिधि अरविंद पाल , गायघाट के अध्यक्ष प्रतिनिधि पिंटू तिवारी, राजा ऐश्वर्य राज सिंह, समाजसेवी उमाशंकर पटवा, ब्लॉक प्रमुख अनिल दुबे, भाजपा नेता राजकुमार शुक्ल, लाल सिंह , कृष्ण चंद्र सिंह, सिद्धार्थ शंकर मिश्रा, सतेंद्र बहादुर पाल , डा. आशीष नारायण तिवारी , किशन सिंह , आशीष श्रीवास्तव , परमानंद लाल श्रीवास्तव , कायस्थ सेवा ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रेमिका से शादी न होने से नाराज प्रेमी युवक चढ़ा हाईटेंशन बिजली के टावर पर, मचा हड़कंप

लालगंज, मीरजापुर। प्रेमिका से शादी न होने से नाराज प्रेमी युवक रविवार को सुबह बसही कला गांव के हाईटेंशन बिजली के टावर पर चढ़ गया। युवक के हरकत से पूरे गांव में अफरा तफरी मच गई। पुलिस प्रशासन भी सकते में आ गया, गनीमत था की युवक ज्यादा उपर टावर पर नहीं चढ़ा था, उसके पहले काफी पुलिस मान मनौव्वल के चार घंटे बाद नीचे उतारने में सफल हुए। लालगंज थाना क्षेत्र के बसही कला गांव निवासी 22 वर्षीय युवक पवन कुमार पुत्र राजकुमार बगल के गांव पतुलकी की एक लड़की से प्रेम करता है।

इसी बीच पता चला कि लड़की की शादी कहीं दूसरे जगह लड़की के मां बाप ने शादी तय कर दी। जानकारी में बताया गया की लड़का लड़की दोनों बालिग है और अनुसूचित जाति के है लेकिन लड़की दूसरे जाति की और लड़का दूसरे जाति की है। इस लिए लड़की पक्ष उस लड़के से शादी नहीं करना चाहते थे। इधर लड़के के पिता राजकुमार ने बताया की लड़के की शादी तय है। पिता ने बताया की मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण कर रहा हूं। लड़के की मांग के आगे असहज दिखाई दिए। उधर लड़की की शादी दूसरे जगह तय होने की जानकारी मिलते ही लड़का नाराज होकर अपने बसही कला गांव में स्थित वाराणसी रीवा हाईवे सड़क के पास में स्थित बिजली के हाई टेंशन टावर पर चढ़ गया।इसकी खबर फैलते ही लालगंज थाने के उप निरीक्षक काशी प्रसाद सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को मनाने में जूट गए, पुलिस ने चार घंटे तक मान मनौव्वल के बाद युवक को नीचे उतारने में सफल रहे। युवक को स्वजन के साथ थाने पर बुलाकर पुलिस द्वारा काउंसिलिंग की गई। उप निरीक्षक काशी प्रसाद सिंह ने बताया की युवक हाईटेंशन बिजली के टावर पर चढ़ गया था, गनिमत रहा की ज्यादा उपर नहीं पहुंचा नहीं तो हाईटेंशन बिजली की चपेट में आ सकता था।

अभिभावको का सवाल- प्रधानाचार्य मौजूद, फिर भी नोडल नियुक्त700 छात्रों की किस्मत से खिलवाड़ क्यों?

कुशीनगर,(आरएनएस)। आखिरकार उन 700 इंटरमीडिएट छात्रों का साल किसकी लापरवाही ने निगल लिया गया? जब कॉलेज में नियमित प्रधानाचार्य तैनात थे तो फिर अलग से नोडल अधिकारी बनाने की जरूरत क्यों पड़ी? और उससे भी बड़ा सवाल प्रधान लिपिक को नोडल का सहयोग करने के लिए डीआईओएस कार्यालय ने किस मंशा से नामित किया? क्या यह महज प्रशासनिक औपचारिकता थी या फिर जिम्मेदारियों का ऐसा जाल। जिसमें अंततः 700 छात्रों का भविष्य फंस गया? जब फार्म पर नोडल अधिकारी का हस्ताक्षर अनिवार्य थे तो बिना सही दस्तखत के फार्म बोर्ड तक पहुंच कैसे गया? जब फीस ली गई तो समय से जमा क्यों नहीं किया गया? और यदि डीआईओएस कार्यालय में जांच की व्यवस्था है, तो यह भारी गड़बड़ी पहले क्यों नहीं पकड़ी गई? यह सवाल हैं जो आज परीक्षा से वंचित बच्चों के अभिभावको सहित पूरे जनपद के जागरूक लोग शिक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।उक्त मामला पडरौना नगर के गोस्वामी तुलसीदास इंटर कॉलेज का है। जहां से इस वर्ष करीब 700 छात्र बोर्ड परीक्षा से जिम्मेदारो की गैरजिम्मेदाराना कार्य प्रणाली के कारण परीक्षा से वंचित हो गये। आरोपों के केंद्र में कॉलेज के प्रधान लिपिक ज्ञान प्रकाश पाठक, नोडल अधिकारी विकास मणि और डीआईओएस श्रवण गुप्ता की कार्यप्रणाली है। बताया जाता है कि गोस्वामी तुलसीदास इंटर कॉलेज में पहले से नागेश्वर चतुर्वेदी प्रधानाचार्य के रुप में मौजूद थे, फिर भी नोडल अधि ाकारी की नियुक्ति की गई। नियमों के मुताबिक बोर्ड परीक्षा फार्म पर नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर अनिवार्य थे, लेकिन फार्म पर हस्ताक्षर लिपिक द्वारा किए गए जो स्पष्ट रूप से नियम विरुद्ध है। यदि प्रधानाचार्य मौजूद थे तो नोडल की भूमिका क्या थी? और यदि नोडल नियुक्त किए गए थे तो प्रधान लिपिक को सहयोगी बनाकर जिम्मेदारी की रेखाएं धुंधली क्यों की गईं? यही धुंधलापन आगे चलकर 700 छात्रों के लिए घातक साबित हुआ है। जानकारो का कहना है कि बोर्ड को फार्म भेजने से पहले डीआईओएस कार्यालय में जांच की प्रक्रिया होती है। यदि समय रहते यह जांच प्रभावी ढंग से हुई होती, तो नोडल के बजाय लिपिक के हस्ताक्षर की त्रुटि उसी समय सामने आ सकती थी और तब फार्म को दुरुस्त कराकर छात्रों का साल बचाया जा सकता था। इतना ही नहीं, बोर्ड से निर्धारित शुल्क के सापेक्ष कई गुना अधिक छात्रो से फीस वसूल की गई, फिर समय से बोर्ड खाते में शुल्क जमा क्यो नहीं हुआ? इस पर भी डीआईओएस कार्यालय की ओर से कोई सख्त रिमाइंडर या निगरानी नहीं दिखी। इनसेट–– सवाल जनप्रतिनिधियों से–– 700 छात्रों का एक वर्ष बर्बाद होना सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं है बल्कि सामाजिक अन्याय है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित 17 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

कुशीनगर, (आरएनएस)। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रम सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित रहने वाले अधि ाकारियों के खिलाफ जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह ने कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। जिसके क्रम में 21 फरवरी शनिवार को तमकुहीराज तहसील में आयोजित समाधान दिवस में अनुपस्थित 17 अधि ाकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।जिलाधिकारी ने कहा है कि तहसील दिवस, सम्पूर्ण समाधान दिवस शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। जिसका उद्देश्य तहसील स्तर पर आमजन की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करना है। ऐसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अधि ाकारियों की अनुपस्थिति न केवल शासन के निर्देशों की अवहेलना है, बल्कि जनसमस्याओं के समाध ाान में भी बाधा उत्पन्न करती है। बीते 21 फरवरी को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस, तहसील तमकुहीराज में प्रभागीय वनाधि ाकारी, जिला विकास अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता (लोक निर्माण विभाग प्रान्तीयधनिर्माण), अधिशासी अभियन्ता (बाढ़ खण्ड, सिंचाई खण्ड प्रथम व द्वितीय), अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण एवं शहरी), जिला आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला प्रोवेशन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक (बैंकिंग), सहायक अभियन्ता (लघु सिंचाई) तथा खण्ड विकास अधिकारी फाजिलनगर शामिल है। जिलाधि ाकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे तीन दिवस के भीतर अनुपस्थित रहने का स्पष्ट एवं संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। अन्यथा की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध वार्षिक प्रतिकूल प्रविष्टि अंकित करते हुए सक्षम प्राधि ाकारी को विभागीय कार्यवाही हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया जाएगा।

जन आरोग्य मेले में पांच स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों की हुई जांच, दवाएं वितरित

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय विकास खंड स्थित पांच स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में आसपास के गांवों से आए ग्रामीण मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं दी गईं। हलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। इसी तरह मतवार स्वास्थ्य केंद्र पर 25 मरीजों की जांच की गई। बरौध ाा स्वास्थ्य केंद्र पर 29 मरीजों का, ड्रमंडगंज में 36 तथा मुड़पेली स्वास्थ्य केंद्र पर 39 मरीजों का इलाज किया गया। आरोग्य मेले में सर्दी, जुकाम, बुखार, सिर दर्द, ब्लड प्रेशर व शुगर समेत सामान्य बीमारियों की जांच की गई और मौसम बदलने पर सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

अभियान दिवस के तहत मतदाता सूची सुधार एवं नए मतदाताओं के पंजीकरण का कार्य हुआ सम्पन्न

कुशीनगर,(आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुपालन में 22 फरवरी दिन रविवार को जनपद की समस्त विध ाानसभाओं के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान दिवस का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची का शुद्धिकरण, विसंगतियों का निराकरण तथा नए मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करना रहा।

विशेष अभियान दिवस के अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ आलेख मतदाता सूची के साथ उपस्थित रहे। मतदाताओं की सुविधा हेतु आलेख मतदाता सूची का सार्वजनिक पठन एवं प्रदर्शन किया गया। मतदाताओं द्वारा इंगित की गई विसंगतियों को मौके पर ही दर्ज कर सुधार की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। प्रत्येक बूथ पर पूर्व से चिन्हित लॉजिकल डिस्क्रिपेंसीज की सुनवाई कर आवश्यक कार्यवाही की गई। नए मतदाताओं को जोड़ने हेतु फॉर्म–6 भरवाकर पंजीकरण की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। मतदाता सूची में फोटो संबंधी त्रुटियों के सुधार हेतु भी आवेदन प्राप्त किए गए। इस दौरान पूरे अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण हेतु जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण किया। उन्होंने प्रमुख रूप से बूथ संख्या 128 से 131, संविलियन प्राथमिक विद्यालय, खजुरिया (कक्ष संख्या 1 से 4) तथा बूथ संख्या 326 से 332, गोस्वामी तुलसी दास इंटर कॉलेज, पडरौना का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने बूथ लेवल अधिकारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी हासिल की तथा प्राप्त फॉर्म–6 की संख्या, आलेख प्रकाशन में पाई गई विसंगतियों के सुधार की प्रगति, मतदाता फोटो सुधार संबंधी कार्यवाही की समीक्षा करते हुए सभी बीएलओ को तत्परता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्रों पर उपस्थित क्षेत्रीय नागरिकों एवं मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित किया गया। उन्हें मतदाता सूची सुधार हेतु चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी गई तथा अपने विवरणों की जांच कर आवश्यक सुधार कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समस्त नागरिकों से अपना नाम, फोटो एवं अन्य विवरणों की जांच अवश्य करने की अपील किया तथा कहा कि यदि कोई त्रुटि हो तो संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर समय रहते सुधार सुनिश्चित कराएं, जिससे आगामी निर्वाचन प्रक्रियाएं पूर्णतः निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित हो सकें।

संस्कार और शिक्षा से ही बनेगा सशक्त भारतरू- आरपीएन

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के पडरौना नगर स्थित रियल पैराडाइज ऐकडमी स्कूल का वार्षिकोत्सव को उत्साह, उल्लास और सांस्कृतिक रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री व राज्यसभा सांसद आरपीएन सिह सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन के साथ किया।कार्यक्रम की शुरुआत स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई, जिसने पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण से भर दिया। इसके बाद नौनिहालों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों ने शिक्षा का महत्व, शिक्षा का अधिकार, माता–पिता और गुरुजनों के प्रति दायित्व, राष्ट्रभक्ति जैसे गंभीर विषयों पर प्रभावशाली नाट्य मंचन प्रस्तुत किए, जिन्हें खूब सराहा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद आरपीएन सिंह ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा देने का स्थान नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। यहां तैयार होने वाले विद्यार्थी ही आने वाले दिनो में भारत की दिशा और दशा तय करते हैं। उन्होंने कहा कि आज का दौर प्रतिस्पर्धा का है, लेकिन केवल अंकों की दौड़ में शामिल होना ही सफलता नहीं है, बल्कि संस्कार, अनुशासन और चरित्र ही व्यक्ति को असली पहचान दिलाते हैं। मुख्य वक्ता व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. रामजियावन मौर्य ने कहा कि विद्यालय संस्कारों का वह मंदिर है

भाजपा किसान मोर्चा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

बस्ती। देश की राजधानी नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा आयोजन स्थल के भीतर विरोध ा प्रदर्शन करने व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी करने के विरोध में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिलाध यक्ष दिलीप पाण्डेय के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने कम्पनीबाग चौराहे पर कांग्रेस विरोधी नारे लगाते हुये कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला फूंका। राहुल गांधी का पुतला फूंकने के बाद भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शर्टलेस होकर पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर देश को शर्मिंदा करने का काम किया है। कहा कि जब भारत एक प्रतिष्ठित वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है और तकनीक के क्षेत्र में अपनी क्षमता और नेतृत्व का प्रदर्शन कर रहा है, उसी समय कांग्रेस पार्टी ने गरिमा के बजाय व्यवधान का रास्ता चुना। यह स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है।किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने कहा कि राजनीतिक विरोध एक लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचाना देशद्राह है जिसके लिए देश की जनता राहुल गांधी और कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। जब देश खुद को एक वैश्विक तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, तब इस तरह का व्यवहार केवल उन लोगों के हित में है जो भारत को कमजोर होते देखना चाहते हैं।कम्पनीबाग चौराहे पर राहुल गांधी का पुतला फूंकने के दौरान मुख्य रूप से दिग्विजय सिंह राणा, आलोक पाण्डेय, सुधाकर पाण्डेय, नगर अध यक्ष राजन गुप्ता, टिल्लू चौरसिया, रमेश तिवारी ,परशुराम, हरिशंकर पाण्डेय, प्रदीप गुप्ता, अशोक उपाध्याय 'रिंकू विमल, आदि शामिल रहे।

गोविन्दनगर शुगर मिल कर्मचारियों के हक में आया फैसलाः देना होगा 14 करोड़ का भुगतान

मिल कर्मियों ने मिठाईयां खिलाकर साझा किया खुशियां

बस्ती। गोविन्दनगर शुगर मिल वाल्टरगंज के कर्मचारियों का बकाया पिछले 7 वर्षो से नहीं मिल पा रहा है। मिल प्रबंधन द्वारा बकाया भुगतान न किये जाने पर कर्मचारियों ने उप श्रमायुक्त से बकाया भुगतान दिलाने का आग्रह किया।उप श्रमायुक्त रचना केसरवानी ने मिल प्रबंधतंत्र को आदेश दिया है कि 209 मिल कर्मचारियों को लगभग 14 करोड़ रूपये श्रमिक रिटेनिंग एनाउन्स का भुगतान 30 दिन के भीतर सुनिश्चित कराया जाय। इससे मिल कर्मियों में खुशी की लहर है। रविवार को गोविन्दनगर शुगर मिल परिसर में कर्मचारियों ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियों को साझा किया।सत्येन्द्र बहादुर सिंह व अन्य बनाम मैसेर्स गोविन्दनगर शुगर मिल वाल्टरगंज के मामले में अलग–अलग आदेशों में उप श्रमायुक्त ने लगभग 14 करोड़ रूपये का श्रमिक रिटेनिंग एनाउन्स दिये जाने का आदेश दिया है। यदि निर्धारित समय में बकाया राशि का भुगतान न किया गया तो जिलाधिकारी के माध्यम से वसूली प्रमाण–पत्र जारी किया जायेगा।उप श्रमायुक्त के आदेश की जानकारी देते हुये गोविन्दनगर शुगर मिल वाल्टरगंज के कर्मचारी मुकेश कुमार श्रीवास्तव, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सुनील कुमार राव, रामतौल चौधरी और राममणि ने बताया कि यदि आदेश का शीघ्र पालन न हुआ तो वे संघर्ष तेज करने पर बाध्य होंगे।उप श्रमायुक्त के आदेश से गोविन्दनगर शुगर मिल वाल्टरगंज के कर्मचारियों में खुशी की लहर है। विकास ठाकुर , अरुण गिरी , अनिल चौध ारी , संजय सिंह , राकेश सिंह , ध्रुव चंद चौधरी , कृष्ण चंद्र लाल , लाल मोहन , पतरी सिंह , चित्रभान सिंह , आशीष सिंह , रविंदर , रमेश रामकेवल , हृदयराम , प्रकाश सिंह , वीरेंद्र चौध ारी , जसवंत सिंह आदि ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियों को साझा किया।

जबरिया घर की दीवार से सटाकर निर्माण कराये जाने का आरोपः लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के खौरहवां मोहल्ले में जबरिया घर की दीवार से सटाकर निर्माण कराये जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित अभिषेक त्रिपाठी ने प्रशासन से न्याय और सुरक्षा की मांग करते हुये जबरिया निर्माण को तत्काल प्रभाव से रोकने की मांग किया है।अभिषेक त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि उनका मकान पिछले 27 वर्षों से खौरहवां स्थित पाण्डेय पोखरा के निकट बना हुआ है, जिसमें वे अपने परिवार के साथ निवास कर रहे हैं। उनके मकान के बगल में पहले सदाशिव पुत्र मोघूलाल का मकान था, जिसके बीच चार फीट की गली पहले से छोड़ी गई थी। इसी गली की ओर दोनों मकानों की खिड़कियां और छज्जे खुले हुए हैं।पत्र में कहा गया है कि सदाशिव द्वारा मकान को लगभग चार वर्ष पूर्व जया पाण्डेय पत्नी लालजी पाण्डेय को बेच दिया गया। इसके बाद अब उनके परिजन मकान की बाउंड्रीवाल सदाशिव के घर की दीवार से सटाकर निर्माण करवा रहे हैं। पत्र में कहा गया है कि जया पाण्डेय के बड़े भाई बजरंग बली पाण्डेय वर्तमान में आयुक्त कार्यालय में स्टेनो पद पर तैनात हैं और अपने पद का प्रभाव दिखाकर जबरिया निर्माण कार्य करा रहे हैं। उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है।घटना की सूचना पीड़ित द्वारा डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने निर्माण कार्य को तत्काल रुकवा दिया। बाद में दोनों पक्षों को थाना कोतवाली बुलाया गया। 14 फरवरी 2026 को थाना समाधान दिवस में मामले की सुनवाई हुई, लेकिन पीड़ित का कहना है कि उनकी बात संतोषजनक रूप से नहीं सुनी गई।पीड़ित परिवार ने आशंका जताई है कि विपक्षी पक्ष दबंग और प्रभावशाली होने के कारण उन्हें जान–माल का खतरा बना हुआ है।

वार्षिकोत्सव संस्कारों और शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव-बीएसए अनूप कुमार

बस्ती। वाइब्रेन्ट इण्टरनेशनल एकेडमी मड़वानगर का वार्षिकोत्सव विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संकल्पों के बीच मनाया गया। मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार ने शिक्षकों और छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि वार्षिकोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, संस्कारों और शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव है। इससे छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और कला संस्कृति की जड़े मजबूत होती हैं। विशिष्ट अतिथि भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि वार्षिकोत्सव छात्रों के बीच छिपी प्रतिभा को बाहर लाने का अवसर है। विद्यालय के संस्थापक राम प्रकाश पाण्डेय, प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रधानाचार्य संजय कुमार पाण्डेय ने अतिथियों, अभिभावकों का स्वागत करते हुये कहा कि वाइब्रेन्ट इण्टरनेशनल एकेडमी का उद्देश्य छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ ही उनका समग्र विकास करना है।कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और भारत माता व सरस्वती माता के चित्रों पर माल्यार्पण, गणेश वन्दना व सरस्वती वन्दना से हुआ।

अयोध्या में अब हर श्रद्धालु को 'अतिथि देवो भवः' की भावना के अनुरूप मिलेगा सत्कार

अयोध्या। तेजी से संवर रही रामनगरी में आने वाले अब हर श्रद्धालु को 'अतिथि देवो भवः' की भावना के अनुरूप सत्कार मिलेगा। इसके लिए रामकथा पार्क में एक आधुनिक नवीन पर्यटक आवास गृह (गेस्ट हाउस) का निर्माण कार्य जोर–शोर से चल रहा है। यह परियोजना अयोध्या में बढ़ते पर्यटकों की संख्या को देखते हुए ठहरने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। रामकथा पार्क पहले से ही रामायण की कथाओं को जीवंत रूप में दर्शाने वाला महत्वपूर्ण स्थल है, अब एक नए जी प्लस 3 मंजिला भवन के रूप में और आकर्षक बनने जा रहा है। इस पर्यटक आवास गृह में कुल 34 कमरों की सुविधा उपलब्ध होगी, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आरामदायक ठहरने का विकल्प प्रदान करेगी। भवन की कुल अनुमानित लागत 2421.08 लाख रुपये है। यह निर्माण कार्य यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड निर्माण इकाई –11 अयोध्या की देखरेख में हो रहा है, जबकि पीपीई प्रणाली के तहत एलएंडटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा कार्यान्वयन किया जा रहा है। एलएंडटी जैसी प्रतिष्ठित कंपनी के हाथों में होने से निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्धता पर पूरा भरोसा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया हुआ है। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यहां पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। ऐसे में ठहरने की सुविधाओं का विस्तार अनिवार्य हो गया था। रामकथा पार्क में यह नया आवास गृह न केवल सामान्य पर्यटकों के लिए बल्कि मध्यम वर्ग के श्रद्धालुओं के लिए भी किफायती और सुविधाजनक विकल्प साबित होगा। बता दें कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में चल रहे अन्य प्रोजेक्ट्स जैसे घाटों का सौंदर्यीकरण, सड़कों का चौड़ीकरण, टेंट सिटी और थीम पार्क आदि के साथ यह नया पर्यटक आवास गृह अयोध्या की छवि को और निखार देगा। इस नए पर्यटक आवास गृह को पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इसमें 34 कमरें, किचिन, रेस्टोरेंट, लिफ्ट, वातानुकूलित कमरे, रिसेप्शन लॉबी, आधुनिक स्नानघर, वाई–फाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल होंगी। कमरों का डिजाइन ऐसा रखा गया है कि पर्यटक रामकथा पार्क की हरियाली और रामायण से जुड़े वातावरण का पूरा आनंद ले सकें। पार्क में रामायण के विभिन्न प्रसंगों को दर्शाने वाली मूर्तियां, भित्ति चित्र और अन्य आकर्षण पहले से मौजूद हैं, और यह नया गेस्ट हाउस इन्हें और अधिक सुलभ बनाएगा।यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड अयोध्या के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है ताकि जल्द से जल्द इसे पूरा किया जा सके और पर्यटकों को इसका लाभ मिल सके।

हमारा सेवा का भाव हमेशा बना रहना चाहिए - स्वांत रंजन

-गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य मेला में 17,567 मरीजों ने कराया इलाज
-200 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक ने निःशुल्क परामर्श, जांच व दवाएं भी दी

अयोध्या। नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन एवं श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के तत्वावधान में रविवार को अवध इंटर नेशनल स्कूल, दर्शननगर परिसर में गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य मेला श्री अयोध्या धाम 2.0 का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे तक 17,567 मरीजों ने पंजीकरण कराकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। सात हजार से अधिक लोगों की रक्त जांच की गई तथा एक हजार से अधिक चश्मे वितरित किए गए। मोतियाबिंद के 130 मरीजों समेत कई गंभीर रोगियों को आगे के उपचार हेतु चिन्हित किया गया। आयोजकों के अनुसार मेले में 200 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों के लिए निःशुल्क परामर्श, जांच और दवाएं उपलब्ध कराईं। सात हजार से अधिक लोगों की रक्त जांच की गई, जबकि एक हजार से अधिक जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। मोतियाबिंद के 130 मरीजों सहित कई गंभीर रोगियों को चिन्हित कर आगे के उपचार हेतु पंजीकृत किया गया है। शिविर में ब्लड टेस्ट, आंखों की जांच, ईसीजी, मूत्र परीक्षण, दंत परामर्श और कैंसर स्क्रीनिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहीं। मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चयनित मरीजों का उपचार निर्धारित अस्पतालों में कराया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं धार्मिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधि तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना है।इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने स्वास्थ्य मेला के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि हमारा सेवा का भाव हमेशा बना रहना चाहिए हम निष्काम कर्म कर रहे हैं। वो हमें जीवन भर करना है। सेवा कर्म हमारे जीवन का प्रमुख रहे। उन्होंने नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के मेडिकल के मेगा कैंप को सुदूर क्षेत्रों में संचालित करने के कार्य को विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल किशोर, श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास अध्यक्ष प्रो. एम.एल.बी. भट्ट, नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र सिंह, सचिव डॉ. शिवम मिश्र, आयुर्विज्ञान संस्थान बीएचयू के निदेशक प्रो. एस.एन. शंखवार, राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दिनेश मार्तोलिया, चंदन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. संत पांडेय सहित 200 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे। इसके अलावा राम मंदिर ट्रस्ट सदस्य डॉ. अनिल मिश्र, महंत वैदेही बल्लभ शरण, महंत बनवारी पति, महंत जयराम दास, राज्य मंत्री सतीश शर्मा, डॉ. सुधीर प्रकाश, गंगा सिंह, कृष्ण चंद्र, शैलेन्द्र, डॉ. विक्रमा प्रसाद पांडेय, डॉ. अजय मोहन, सुदीप, आकाश, राहुल सिंह, मेयर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक राम चंद्र यादव, डॉ. उपेंद्र मणि त्रिपाठी, डॉ. ताविशी मिश्र, पूर्व विधायक खब्बू तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, अभिषेक मिश्र, कमलेश श्रीवास्तव, दिनेश वर्मा, डॉ. अनिल सिंह, जतिन वर्मा समेत हजारों लोग मौजूद रहे।

टेट की अनिवार्यता से शिक्षकों को मुक्तकरने के लिए टीएफआई द्वारा एक्स पर 'जस्टिस फ़ॉर टीचर' टाप ट्रैंडिंग रहा

अयोध्या। टीईटी की अनिवार्यता से शिक्षकों को मुक्त करने के लिए टीचर्स फेडरेशन आफ इंडिया द्वारा एक्स (ट्विटर हैंडल)पर 'जस्टिस फॉर टीचर' टाप ट्रैंडिंग रहा।इस अभियान में शासन द्वारा मान्यता प्राप्त सभी शिक्षक संगठन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ,उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ एवं महिला शिक्षक संघ भी शामिल हुए। अपराह्न दो बजे से चार बजे तक शिक्षकों ने ट्वीट और रिट्वीट करके अपनी मांग के समर्थन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जबर्दस्त अभियान चलाया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय ऑडिटर एवं जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी ने कहां कि वर्ष 2011 से पूर्व की बेसिक शिक्षा परिषद की सभी सेवा शर्तों एवं अर्हताएं पूरी करके नियुक्त शिक्षकों को पुनः टेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने का फैसला प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध है। इससे शिक्षकों के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने सवाल किया कि क्या न्यायाधीशगण फिर से क्लैट की परीक्षा उत्तीर्ण कर सकते हैं।क्या पहले से नियुक्त अन्य कार्मिकों को वर्तमान की योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता लागू होगी । महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष मनोरमा साहू ने इसे शिक्षकों के अनुभव को नकारने वाला तथा उनके सम्मान के विरुद्ध बताया। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री चक्रवर्ती सिंह ने सरकार से टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग दोहराते हुए कहा कि सरकार को शिक्षकों के अस्तित्व पर आए संकट का हल निकालने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिला मंत्री चंद्रजीत यादव ने एक्स पर चलाए गए अभियान की सफलता से उत्साहित होकर कहा कि शिक्षक समुदाय अपने भविष्य के प्रति जागरूक हो गया है और चट्टानी एकता की शक्ति से सार्थक परिणाम हासिल करेगा। महिला शिक्षक की जिला मंत्री नीलम मदाम ने कहा कि टेट के विरोध में चलाए जाने वाले आंदोलनों में महिला शिक्षक बढ़ चढ़कर भागीदारी करेंगी।

जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव ने बताया कि टेट की अनिवार्यता के विरोध में प्रथम चरण में एक्स पर अभियान चलाया गया सफल रहा। दूसरे चरण में 23 फरवरी से 25 फरवरी तक शिक्षक काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे। तीसरे चरण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन होगा। तथा चौथे चरण में देश की राजधानी दिल्ली में शिक्षक मार्च करेंगे। आज के अभियान को सफल बनाने के लिए अजय सिंह, गोपाल श्रीवास्तव, धर्मेंद्र सिंह, अमरेंद्र सिंह, संतोष वर्मा, ओम प्रकाश यादव, संतोष द्विवेदी, पप्पू कुमार,मोहम्मद आरिफ, अविनाश पांडे, शैलेंद्र वर्मा, संतोष यादव, मुकेश प्रताप सिंह, अनिल सिंह, महेंद्र यादव, सिकंदर सिंह, चंद्र प्रकाश यादव,सत्येंद्र गुप्ता, अनुज सिंह, अरविंद पाठक, सुमित सिंह, समीर सिंह, सत्येंद्र पाल सिंह, संजय सिंह, उद्धव श्याम तिवारी, मोहम्मद तारिक,हरकिशन निषाद,करम सिंह यादव, अशोक कुमार, यमुना लाल यादव,आरती शाह,भगवती गुप्ता, रविंद्र गौतम, भगवती यादव, प्रवेश कुमार, प्रणेश रावत, रवींद्र वर्मा, राजकुमार शर्मा,राम चंद्र पाल,राम जी गुप्ता,संचराज वर्मा,चंदा वर्मा,शतीस गुप्ता,सत्येंद्र पाल सिंह,अमित सिंह,आदि शामिल हुए।

जनसंवाद का माध्यम बनी 'मन की बात', 400 बूथों पर सामूहिक श्रवण

अयोध्या। प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 131वें संस्करण के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा महानगर क्षेत्र के लगभग 400 बूथों पर सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक एकत्रित होकर प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बूथ संख्या 22, अम्बेडकर नगर (करियप्पा मंडल) में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य सरोज कुमारी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कौशलपुरी आवास पर तथा पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने विद्यालय कुंड वार्ड में आयोजित सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके अतिरिक्त महानगर के विभिन्न बूथों पर अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री की 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों से सीधा संवाद है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री समाज के प्रेरणादायक व्यक्तित्वों, नवाचारों और जनभागीदारी की ताकत को सामने लाकर राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करते हैं।

महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम से समाज के हर वर्ग को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के कोने–कोने में हो रहे सकारात्मक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं, जिससे आमजन में नई ऊर्जा का संचार होता है। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश सदैव जनहित, स्वावलंबन और सामाजिक सहभागिता पर केंद्रित रहता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे कार्यक्रम में बताए गए विचारों को समाज के बीच ले जाकर जनजागरण का कार्य करें। पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम देश को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आम नागरिकों के प्रयासों को सराहकर उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की भावना प्रबल होती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

गोसाईगंज विधानसभा में डा.सर्वेश वर्मा ने दिखाई सियासी ताकत

-युवा सम्मेलन में हजारों की संख्या में लोग हुए सम्मिलित

अयोध्या। गोसाईंगंज विधानसभा क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती सप्ताह के अवसर पर एक विशाल युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जहाँ डॉ. सर्वेश वर्मा ने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में युवाओं की भागीदारी देखने को मिली, जिसके चलते रामपुर भगन अयोध्या मार्ग और गोसाईगंज बाजार में गाड़ियों के काफिले से लंबा जाम लग गया, और पूरे क्षेत्र में डॉ. सर्वेश वर्मा की चर्चा बनी रही। डॉ. सर्वेश वर्मा ने गोसाईंगंज विधानसभा क्षेत्र के सभी निवासियों का आभार व्यक्त किया। यह भव्य युवा सम्मेलन गोसाईंगंज के राजापुर सरैया स्थित पार्वती गर्ल्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (महाविद्यालय) के खेल मैदान में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुर्मी क्षत्रिय सभा लखनऊ, डॉ. डी. एम. कटियार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष कुर्मी क्षत्रिय सभा लखनऊ, शशांक वर्मा ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथियों में विमल कटियार और डॉ. कुलदीप डोंगर सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सर्वेश कुमार वर्मा ने आए हुए अतिथियों को माला, शॉल और छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर सर्वेश वर्मा को कुर्मी क्षत्रिय महासभा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर डॉ. सर्वेश वर्मा ने बताया कि यह आयोजन कुर्मी क्षत्रिय सभा लखनऊ (युवा प्रकोष्ठ) द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं को संगठित कर राष्ट्र निर्माण, सामाजिक एकता और शिवाजी महाराज के आदर्शों को अपनाने का संदेश देना था।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी कांग्रेस

अयोध्या। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर जहां सभी पार्टियां अपनी अपनी तैयारी में जुट चुकी हैं वही कांग्रेस पार्टी भी कमर कस कर मैदान में ऊतर चुकी है। उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर जहां सभी पार्टियां अपनी–अपनी तैयारी में जुट चुकी है। वहीं कांग्रेस पार्टी भी कमर कस चुकी है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं जिला महासचिव फूलचंद यादव द्वारा रविवार को हैरिंग्टनगंज ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत स्थित अपने आवास पर चाय के बहाने कांग्रेस के कई जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारियों को बुलाया। जहां पर घुघरी चाय के साथ नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुई संगठन को मजबूत एवं विस्तार करने पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की। जिला महासचिव फूलचंद यादव ने कहा कि देश एवं प्रदेश में चल रही आतताई जुल्मी भ्रष्टाचारी सरकार को हटाने के लिए कांग्रेस ने कमर कस ली है।इनको देश एवं प्रदेश से हटाने के लिए प्रदेश के प्रत्येक बूथ पर कांग्रेस का कार्यकर्ता होना आवश्यक है। राष्ट्रीय एवं प्रदेश के दिशा निर्देश पर पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बूथ मजबूत करने के लिए मैदान में उतर चुके हैं। पूर्व यूथ जिलाध्यक्ष संजय तिवारी ने कहा कि संगठन सृजन एवं विस्तार अभियान के तहत संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के सुख दुख में पूरा संगठन साथ सहयोग देकर संगठन को मजबूत करते हुऐ बढ़ाया जायेगा।जिससे पार्टी का जनाधार बढाया जा सके और आतताई सरकार का खात्मा किया जा सके। पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवपूजन पांडेय ने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मजबूती से अपने संगठन के साथ लगकर संगठन को मजबूत बनायें और संगठन का विस्तार करें आने वाला समय कांग्रेस का ही है। इस अवसर पर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष हैरिंग्टनगंज ओमप्रकाश सिंह पूर्व ब्लाक अध्यक्ष हैरिंग्टनगंज गंगाराम यादव वर्तमान ब्लाक अध्यक्ष प्रशांत पांडे मिल्कीपुर हरिंग्गटनगंज ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह मंडल अध्यक्ष पवन पांडे अमरीश पांडे जिला महासचिव दिनेश शुक्ला जिला महासचिव उमाकांत कनौजिया सहित दर्जनों कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सामाजिक सेवा से शुरू हुआ भागवत कथा का आयोजन

सोहावल–अयोध्या। निषाद पार्टी से टिकट लेकर बीकापुर विधानसभा से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे पार्टी के नेता और समाजसेवी कुड़ौली निवासी करुणाकर पाण्डेय उर्फ बब्बू के घर शुरू हो रही श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में सुबह बड़े काफिले के साथ कलश यात्रा निकली जो ज्वाला मां मंदिर तक पहुंची और सरयू तट ढेमवा घाट से जल भरकर वापस लौटी । इस यात्रा का समापन परिवार ने सामाजिक सेवा कर किया। इस अवसर पर लगभग 10000 लोगों में उपहार बाँटा गया। शामिल महिलाओं को साड़ी पुरुषों को कंबल मेधावी छात्र–छात्राओं को साइकिल स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित कर पुण्य कमाया। सुबह से शाम तक चले इस वितरण समारोह में विधानसभा से जुड़े अनेक गांव से लोग पहुंचे। सोमवार से शुरू हो रही इस भागवत कथा के कथावाचक कामाख्या धाम के महंथ इंद्रेश कौशिक जी महाराज होंगे। जिनके मुखारविन्दु से लोगों को कथा सुनने को मिलेगी। आगामी 2 मार्च को भंडारे का आयोजन किया गया है। मौजूद लोगों में राकेश पाण्डेय,अरुणाकर पाण्डेय , रत्नाकर पाण्डेय , सोनू, मोनू, राकेश पाण्डेय , अनुभव पाण्डेय, पवन तिवारी एडवोकेट, संजीव सिंह आदि के साथ बड़ी संख्या में महिला पुरुष और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

शिविर में विभिन्न उत्पाद बनाकर महिलाएं बनी आत्मनिर्भर

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा "महिलाओं हेतु आय सृजन गतिविधियां" विषय पर 10 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन पिठला गांव में किया गया प् यह प्रशिक्षण कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 30 ग्रामीण युवतियों व महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता की स प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओ को कागज के लिफाफे, कैरी बैग, विभिन्न आकार प्रकार व रंगों की मोमबत्तियां, साबुन आदि बनाने की विधि का प्रदर्शन किया गया स महिलाओ को स्वयं उत्पाद बना कर उसमें कुशलता हासिल करने का अवसर भी दिया गया । समापन समारोह में महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ साधना सिंह ने कहा कि यह महिलाओ के लिए केवल एक प्रशिक्षण ही नहीं है बल्कि आत्म– निर्भरता , आत्मविश्वास व आत्मसम्मान की दिशा में सशक्त कदम है स प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार से जोड़ कर उनको आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने का महाविद्यालय द्वारा पूरा प्रयास किया जायेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत परिजनों में कोहराव

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के बरौंधा चौकी अन्तर्गत महराजगंज निवासी हीरामणि कोल 65 वर्षीय ने शनिवार को सायं सात बजे के करीब संदिग्ध परिस्थितियों में अपने शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ छीडकर आग लगा लिया। इस दौरान बचाव में आई पतोहू कौशिल्या झुलस कर घायल हो गईं। जिसका बरौंधा स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार हीरा मणि के पांच पुत्रों में से चौथे नंबर के पुत्र विष्णु की आज के चार वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी थी। जिसकी दो बच्चियां वर्षा, अनन्या, और एक पुत्र गोलू था। पति की मृत्यु के पश्चात ऊषा बच्चों को छोड़कर कही अन्यत्र चली गई थी। तीनों बच्चों की परवरिश बडी मम्मी गीता और हीरा मणि किया करते थे। है कि बीते 20 फरवरी को बच्चों की मां ऊषा आकर तीनों बच्चों को स्थानीय प्रधान की मौजूदगी में अपने सुपुर्दगी में लेकर चली गई। शनिवार सायं इसी बात के कलह को लेकर हीरा मणि ने संदिग्ध परिस्थितियों में ज्वलनशील पदार्थ छीडककर आग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली स्वजनों द्वारा उपचार के लिए एंबुलेंस से लालगंज सी एच सी ले जाया गया जहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मीरजापुर जाते समय बीच रास्ते में ही हीरा मणि की मृत्यु हो गई। स्वजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का दाह संस्कार कर दिया। इस संबंध में लालगंज इंस्पेक्टर अभय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के अन्य लड़को द्वारा कोई सूचना दिए बिना शव का दाह संस्कार कर दिया गया।

बाइक सवार ने महिला को मारी टक्कर दोनों घायल, चल रहा उपचार

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग के कोटाघाट के पास एक बाइक चालक घर से लालगंज की तरफ जा रहा था सड़क पर पैदल जा रही महिला को टक्कर मार दिया जिससे गिरकर दोनों चोटिल हो गए एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया यहां पर उपचार चल रहा है। स्थानीय थाना क्षेत्र के खम्हरिया कला गांव निवासी संगम (25) बाइक से लालगंज की तरफ जा रहा था। जैसे ही कोटाघाट के पास पहुंचा कि श्यामकली (62) सड़क से गुजर रही थी नियंत्रित बाइक चालक ने टक्कर मार दिया दोनों गिर कर चोटिल हो गए।एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य के लाया गया जहां पर उपचार चल रहा है हाल सामान्य है।इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि दोनों घायलों का उपचार किया जा रहा है हालात सामान्य है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने बूथों का किया निरीक्षण

अयोध्या। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 के अंतर्गत आलेख्य निर्वाचक नामावली का प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी, 2026 को किया गया है। इस क्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या–596ध् सी०ई०ओ०–4 दिनांक 19 फरवरी, 2026 द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुपालन में रविवार को विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। विशेष अभियान दिवस पर जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा उपस्थित रहकर आलेख्य निर्वाचक नामावली, अनुपस्थितध् शिफ्टेडध्मृतकध्डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची, तार्किक विसंगतियों की सूची तथा फार्म–6 (घोषण पत्र सहित), फार्म–6ए, फार्म–7 एवं फार्म–8 के साथ आवश्यक कार्यवाही की गई। समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपने–अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों का भ्रमण कर बूथ लेवल अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई तथा कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिरुद्ध प्रताप सिंह द्वारा 275–अयोध्या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने एम०एल०एम० इंटर कॉलेज (मतदेय स्थल संख्या–43, 44, 45, 46, 47), साहबदीन सीताराम बालिका इंटर कॉलेज (मतदेय स्थल संख्या–136 से 141), बापू बालिका इंटर कॉलेज (मतदेय स्थल संख्या–120 से 125) तथा श्याम सुंदर सरस्वती इंटर कॉलेज (मतदेय स्थल संख्या–126, 129, 142 से 147) का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित बीएलओ उपस्थित पाए गए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटि संशोधन एवं अपात्र नामों के विलोपन की प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जाए।

यूजीसी का काला कानून वापस लो-- दिलीप सिंह गहरवार

मीरजापुर। करणी सेना के जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार ने यूजीसी के काले कानून को वापस लेने के लिए सरकार से मांग की है। तुष्टिकरण की राजनीति, जातिगत राजनीति, ना तो भारत संविधान का स्वरूप रही है और ना ही भारत देश की संस्कृति रही है। वर्तमान समय में जातिगत राजनीति करके पार्टियां अपना उल्लू सीधा कर रही हैं। जनता भाड़ में जाए इसे कोई मतलब नहीं है। वर्तमान सरकार द्वारा यूजीसी का जो काला कानून लाया गया है उसे समूचा सवर्ण समाज पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। तुष्टिकरण की राजनीति के चलते सवर्णों पर पहले से ही काफी अत्याचार हो रहा है। सवर्ण समाज अब अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेगा। सरकार की दूषित मानसिकता राजनीति से उठकर अब स्कूल कॉलेज तक पहुंच गई है जो बहुत ही खराब है ,और छात्रों को भी राजनीति में शामिल किया जा रहा है और देश को बर्बाद करने की यह नीति है। करणी सेना समूचा जिला इकाई व हम सभी स्वर्ण समाज इस यूजीसी के काले कानून का विरोध करते हैं और इसे वापस लेने की मांग करते हैं। और यदि सरकार ने यूजीसी का काला कानून वापस नहीं लिया तो इसके लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करने से सवर्ण समाज पीछे नहीं रहेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने समानता के अधिकार के तहत इस एक्ट पर रोक लगाई है लेकिन सरकार को निरस्त करना पड़ेगाजरा सोचिए, सामान्य कैटेगरी के माता–पिता, एक बार गौर से सोचिए... कल जब आपका बेटाध्बेटी रात भर जागकर पढ़ाई करेगा, नीट में 680 लाएगा, जी में टॉप रैंक लाएगा, फिर भी उसका सपना टूट जाएगा... सिर्फ इसलिए क्योंकि उसका जन्म ष्जेनरल कैटेगरीष में हुआ है। आप चुप रहेंगे, क्योंकि ष्हम तो शांतिप्रिय हैंष्, ष्हम तो समाजसेवा करते हैंष्... और आपके बच्चे की आँखों में वो आंसू होंगे जो आपने कभी नहीं देखे। ये लड़ाई सिर्फ नौकरी–सीट की नहीं है। ये लड़ाई आपके बच्चे के आत्मसम्मान, उसके सपनों, और उसके भविष्य की है। देश को जोड़ने वाली शिक्षा नीति की आवश्यकता थी, लेकिन न्ळब् के 'च्तवउवजपवद वि म्नुपजल त्महनसंजपवदे, 2026 शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता के बजाय भय और असंतुलन पैदा कर रहे हैं। यह किसी वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि उस प्रणाली पर सवाल है जहा न्याय की प्रक्रिया एकतरफा होती दिखाई दे रही है।हम सभी सामाजिक वर्गों के सम्मान और सुरक्षा` पक्ष में हैं, लेकिन समानता के नाम पर किसी एक वर्ग को न्याय से बाहर रखना उचित नहीं हो सकता।

टी 20विश्व कप में क्यों फ्लॉप हुए अभिषेक शर्मा सनील गावस्कर ने बताई असली वजह

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप में अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म का विश्लेषण करते हुए कहा कि उनकी लय पूरी तरह से गायब है। गावस्कर के अनुसार, मैच का दबाव नेट प्रैक्टिस से अलग होता है, जिसने अभिषेक के फ्री–फ्लोइंग शॉट्स को रोका और दक्षिण अफ्रीका ने उनकी कमजोरी का फायदा उठाया।

भारत के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप 2026 में स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के संघर्ष का विश्लेषण किया है। विश्व के नंबर 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज अभिषेक तीन बार शून्य पर आउट हुए और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 15 रन बनाए, जो काफी संघर्षपूर्ण प्रदर्शन था। अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका से 76 रनों की हार के बाद उनकी खराब फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय बन गई है।अभिषेक अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से काफी दूर थे और लय बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। भारत के 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वे अक्सर अपने शॉट्स को सही ढंग से नहीं जोड़ पा रहे थे और 12 गेंदों में सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गए, जिसमें एक छक्का और दो चौके शामिल थे। मार्को जानसेन और कगिसो रबाडा जैसे गेंदबाजों ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और उन्हें आउट करने की साजिश रची। गावस्कर ने अभिषेक के खराब प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि फिलहाल उनकी बल्लेबाजी में लय नहीं है और इस बात को खारिज कर दिया कि नेट प्रैक्टिस के दौरान सलामी बल्लेबाज मजबूत दिखे थे। भारत की हार के बाद स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए गावस्कर ने कहा कि फिलहाल लय नहीं है। नेट प्रैक्टिस में आपको पता होता है कि पहली

गेंद पर आउट होने के बाद भी अगली गेंद खेलनी है। लेकिन मैच में कहानी बिल्कुल अलग होती है।उन्होंने आगे कहा कि वह दबाव आपको लगभग जकड़ सकता है, बड़े शॉट खेलने के दौरान हाथों की स्वतंत्र गति को सीमित कर देता है। वह थोड़ा फंस गए थे और दक्षिण अफ्रीका ने बहुत चतुराई से गेंदबाजी की। वे जानते हैं कि उन्हें जगह बनाकर ऑफसाइड से खेलना पसंद है, इसलिए रबाडा को देखिए, छक्का खाने के बाद भी उन्होंने लगातार पैड्स को निशाना बनाया। सुपर आठ चरण में भारत को करारा झटका लगा। मौजूदा चौंपियन टीम को एक बार फिर विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका से मिली हार ने सेमीफाइनल में पहुंचने की उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद अभिषेक शर्मा की होगी छुट्टी

टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारतीय टीम के टॉप–ऑर्डर की विफलता उजागर हो गई है, जिसके चलते प्लेइंग ग्ग में दाएं हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। सहायक कोच रयान टेन डोएस्केट ने संकेत दिया कि अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाजों की खराब फॉर्म के कारण यह बदलाव जरूरी हो सकता है। आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के पहले मैच में अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद, भारतीय सहायक कोच रयान टेन डोएस्केट ने कहा कि शीर्ष क्रम में संजू सैमसन जैसे दाएं हाथ के बल्लेबाज का होना ष्आने वाले कुछ दिनों में चर्चा का विषयष् रहेगा। उन्होंने खराब फॉर्म में चल रहे विश्व के नंबर एक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म का भी जिक्र किया, जो लगातार तीन बार शून्य पर आउट होने के बाद अपना पहला रन बनाने के बाद सिर्फ 15 रन ही बना सके।भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरे शीर्ष क्रम के दो होनहार सदस्य, अभिषेक और तिलक, एक बार फिर तेज गेंदबाजी और स्पिन गेंदबाजी के सामने बेनकाब हो गए। शीर्ष क्रम के लड़खड़ाने से भारत को 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। ईशान किशन, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा के एक–एक करके आउट होने के बाद भारतीय टीम वापसी नहीं कर पाई और शिवम दुबे के कुछ संघर्ष के बावजूद, भारत 111 रनों पर ऑल आउट हो गया।जहां एक ओर ईशान को एक दुर्लभ असफलता का सामना करना पड़ा है, वहीं अभिषेक के लिए भी हालात कुछ खास अच्छे

नहीं रहे हैं। उन्होंने चार पारियों में सिर्फ 15 रन बनाए हैं, जिनमें से सभी रन उन्होंने आज ही बनाए हैं। वहीं तिलक ने पांच पारियों में सिर्फ 107 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 118 से अधिक है, जो औसत से कम है। टीम में सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन के होने से एक दाएं हाथ का विकल्प मौजूद है जो बाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरी शीर्ष क्रम को तोड़ सकता है। इससे भारत ईशान और अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाजी कर सकता है और तिलक के बाहर होने की स्थिति में शायद उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए बुलाया जा सकता है। संजू अकेले विकल्प हैं। लेकिन समस्या यह है कि संजू लंबे समय से लय में नहीं हैं। उन्होंने 2025 की शुरुआत से अब तक 17 पारियों में सिर्फ 290 रन बनाए हैं, जिनका औसत 17.05 और स्ट्राइक रेट 133.64 है, जिसमें एक अधशतक भी शामिल है।

हुई बड़ी चूक? कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पावरप्ले में गंवाए विकेटों को ठहराया जिम्मेदार

टी20 विश्व कप सुपर 8 में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पावरप्ले में गंवाए विकेटों को हार का मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि खराब शुरुआत और साझेदारियां न बना पाने के कारण टीम लक्ष्य का पीछा करने में विफल रही, हालांकि उन्होंने बुमराह और अर्शदीप की गेंदबाजी की सराहना की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ के पहले मैच में अपनी टीम की हार के बाद, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उनकी टीम ने पावरप्ले में बहुत ज्यादा विकेट गंवा दिए और महत्वपूर्ण साझेदारियां नहीं बना पाई। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम उसी लय में खेलते हुए जोरदार वापसी करेगी। डेविड मिलर के अधशतक और मार्को जानसेन और केशव महाराज की शानदार गेंदबाजी की बदौलत प्रोटियाज ने अहमदाबाद में भारतीय टीम को 76 रनों से हराकर 2024 टी20 विश्व कप फाइनल में मिली हार का बदला लिया और नेट रन रेट को नकारात्मक कर दिया।मैच के बाद प्रस्तुति देते हुए सूर्यकुमार ने कहा

कि हालांकि पूरी टीम ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन मध्य ओवरों में दक्षिण अफ्रीका द्वारा, खासकर डेविड मिलर और देवाल्ड ब्रेविस की बदौलत, शानदार बल्लेबाजी ने प्रोटियाज को फायदा पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय टीम ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवाकर मैच गंवा दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि शुरुआत में हम हमेशा मैच में बने रहे। मुझे लगता है कि हमने शुरुआत में बहुत अच्छी गेंदबाजी की, 21 रन पर 3 विकेट, और उसके बाद जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, 7 से 15 ओवरों तक, मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की, और फिर हम बाद में मैच में वापसी करने में कामयाब रहे। कुल मिलाकर, अगर हम देखें तो हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन हम थोड़ी बेहतर बल्लेबाजी कर सकते थे।सूर्यकुमार ने आगे कहा कि मेरा मानना ध्है कि कभी–कभी आपको सोचना पड़ता है, अगर आप 180–185 रनों का पीछा कर रहे हैं, तो आप पावर प्ले में मैच नहीं जीत सकते, बल्कि पावर प्ले में हार सकते हैं। हमने पावर प्ले में बहुत ज्यादा विकेट खो दिए, और फिर हम छोटी–छोटी साझेदारियां नहीं बना पाए जो हमें 180–185 रनों का पीछा करने के लिए चाहिए थीं, लेकिन यह खेल का हिस्सा है। हम इससे सीखते हैं, हम थोड़ा आराम करेंगे और फिर मजबूती से वापसी करेंगे। सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए, सूर्यकुमार ने जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की तेज गेंदबाजी की जमकर तारीफ की। उन्होंने आठ ओवरों में सिर्फ 43 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि सभी जानते हैं कि बुमराह–अर्शदीप की जोड़ी बेहद घातक रही है। दोनों ने साथ में खेला है। अगर आप आज भी देखें, तो दोनों ने आठ ओवर फेंके, लगभग पांच विकेट लिए और लगभग 45–50 रन दिए। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो मुझे आंकड़ों की ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन उन्होंने साझेदारी में बहुत अच्छी गेंदबाजी की, और हम उनसे यही चाहते हैं। दोनों अनुभवी हैं, और दोनों का हमारी टीम में होना अच्छा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बोले- वैभव सूर्यवंशी बिहार की नई उम्मीद, 50 लाख का चेक देकर किया सम्मानित

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अंडर–19 विश्व कप में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को 50 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने वैभव को भारतीय क्रिकेट की नई उम्मीद बताते हुए उनके प्रदर्शन को बिहार के लिए गौरव का क्षण बताया।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को 50 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। सूर्यवंशी की रिकॉर्ड सेंचुरी की मदद से भारत ने छह फरवरी को आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2026 का खिताब जीता था। समस्तीपुर जिले के रहने वाले 14 साल के इस खिलाड़ी ने 80 गेंद पर 218 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 175 रन बनाए और उन्हें मैच और टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक सूर्यवंशी को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास परिसर में 'संकल्प सभागार' में चेक और शॉल देकर सम्मानित किया गया। नीतीश ने कहा, "अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा से वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। मैं उन्हें राष्ट्रीय टीम के लिए नई उपलब्धियां बनाने और देश का नाम रोशन करने में सफलता की कामना करता हूं।'' उन्होंने कहा कि इस युवा क्रिकेटर के प्रदर्शन ने बिहार को गौरवांवित किया और भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। सम्मान समारोह में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री

श्रेयसी सिंह, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और बिहार क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि मौजूद थे। सूर्यवंशी के परिवार के सदस्य भी इस समारोह में शामिल हुए। इस बीच दानापुर में हुए एक अलग कार्यक्रम में सूर्यवंशी को टाटा मोटर्स ने एक कार भेंट की। सूर्यवंशी ने कहा, ''यह सिर्फ एक तोहफा नहीं है बल्कि भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा है।'' उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, कोच और समर्थकों को दिया।

आईपीएल 2026 के लिए महेंद्र सिंह धोनी की उपलब्धता की पुष्टि हो गई है

आईपीएल 2026 के लिए महेंद्र सिंह धोनी की उपलब्धता की पुष्टि हो गई है, लेकिन यह अनिश्चित है कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सभी मैच खेलेंगे। संजू सैमसन के टीम में शामिल होने और धोनी की फिटनेस को देखते हुए, उनके केवल चुनिंदा मैचों, खासकर घरेलू मुकाबलों में खेलने की संभावना है।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र की तैयारियों के बीच एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि क्या दिग्गज पूर्व कप्तान इस साल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सभी मैचों में खेलते नजर आएंगे? फ्रेंचाइजी के एक शीर्ष सूत्र ने इसकी पुष्टि की कि 45 वर्ष के होने जा रहे धोनी आगामी आईपीएल सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ उपलब्ध रहेंगे। टीम में इस बार बड़ी रकम के साथ ट्रेडिंग के जरिए संजू सैमसन के शामिल होने के बाद हालांकि यह संभावना कम मानी जा रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान लीग चरण के सभी मुकाबलों में खेलेंगे।सीएसके के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, "हम यह पुष्टि कर सकते हैं कि वह चेन्नई आ रहे हैं और उन्होंने सत्र के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।" सूत्र ने कहा, ''वह सभी मैच खेलेंगे या नहीं, यह हम फिलहाल नहीं कह सकते।'' 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम लागू होने के बाद पिछले दो सत्रों में बल्लेबाज के तौर पर धोनी की भूमिका सीमित रही है। उन्हें अक्सर निचले क्रम में परिस्थिति के अनुसार छोटी लेकिन प्रभावी पारियां खेलने के लिए इस्तेमाल किया गया है।इस सत्र में सीएसके के पास तीन विकेटकीपर–बल्लेबाज हैं। जिन मुकाबलों में धोनी नहीं खेलेंगे, उनमें सैमसन के विकेट के पीछे मोर्चा संभालने की संभावना है। टीम में उर्विल पटेल भी शामिल हैं, जबकि 14.20 करोड़ रुपये में शामिल किए गए युवा कार्तिक शर्मा को शिवम दुबे के साथ फिनिशर की भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है। धोनी पिछले कुछ वर्षों से घुटने और पीठ की समस्या से जूझते रहे हैं। आईपीएल में मैचों के बीच कम अंतराल और विकेटकीपिंग की शारीरिक मांग उनके करियर के इस चरण में अतिरिक्त दबाव डाल सकती है।

आईसीसी प्री-सीडिंग विवाद पर बोले गावस्कर टूर्नामेंट से पहले क्यों नहीं उठाए सवाल?

आईसीसी द्वारा टी20 विश्व कप में अपनाई गई प्री–सीडिंग व्यवस्था की कड़ी आलोचना हो रही है, जिसके तहत सुपर 8 की ग्रुपिंग टीमों के ग्रुप चरण के प्रदर्शन के बजाय पूर्व–निर्धारित रैंकिंग के आधार पर की गई है। इस प्रारूप ने सुपर 8 को अप्रत्याशित रूप से प्रतिस्पर्धी बना दिया है, लेकिन इसने टूर्नामेंट की निष्पक्षता पर भी बहस छेड़ दी है। टी20 विश्व कप 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है और सुपर 8 मुकाबले शुरू हो गए हैं। कोलंबो में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, लेकिन असली चर्चा अब टूर्नामेंट के प्रारूप को लेकर हो रही है।दरअसल आईसीसी द्वारा अपनाई गई प्री–सीडिंग व्यवस्था पर सोशल मीडिया में सवाल उठ रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार ग्रुप चरण की सभी शीर्ष टीमों भारतीय टीम, साउथ अफ्रिका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज को सुपर 8 के ग्रुप 1 में रखा गया। वहीं दूसरे ग्रुप में इंग्लैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड जैसी टीमें शामिल हैं, जो अपने–अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहीं।गौरतलब है कि इस व्यवस्था के कारण दो मजबूत टीमें सुपर 8 चरण में ही बाहर हो सकती हैं। आम तौर पर बड़े टूर्नामेंटों में ग्रुप विजेताओं को अपेक्षाकृत संतुलित ग्रुप मिलता है, लेकिन यहां उल्टा समीकरण बन गया है। इसी वजह से प्रशंसकों, खासकर श्रीलंका समर्थकों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि श्रीलंका में ग्रुप चरण खेलने के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंचने पर टीम को भारत में खेलना पड़ सकता है।इस विवाद के बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि अब इस मुद्दे को उठाने का ज्यादा मतलब नहीं है। उनके मुताबिक अगर किसी को प्रारूप पर आपत्ति थी तो उसे टूर्नामेंट

शुरू होने से पहले उठाना चाहिए था, जब कार्यक्रम घोषित किया गया था।गावस्कर ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करना आसान नहीं होता। चूंकि यह प्रतियोगिता दो देशों में खेली जा रही है, इसलिए यात्रा, वीजा, सीमा शुल्क और आवास जैसी व्यवस्थाएं भी ध्यान में रखनी पड़ती हैं। हर टीम के साथ सहयोगी स्टाफ की संख्या अलग–अलग होती है, जिससे होटल बुकिंग और अन्य इंतजाम प्रभावित होते हैं। संभव है कि इन्हीं व्यावहारिक कारणों से प्री–सीडिंग का फैसला लिया गया हो।बता दें कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही शीर्ष आठ टीमों की अंतरराष्ट्रीय टी20 रैंकिंग के आधार पर सुपर 8 के स्लॉट तय कर दिए गए थे। इसी वजह से दक्षिण अफ्रीका अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने के बावजूद सीडिंग में नीचे माना गया, क्योंकि न्यूजीलैंड की रैंकिंग ऊंची थी।

शेयर मार्केट में बहार,डालर के मुकाबले भारती रूपया ने लगाई 21 पैसे की जोरदार छलांग।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे मजबूत होकर 90.73 पर पहुंच गया, जिसका मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर में कमजोरी रहा। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 21 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.73 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की आशंकाओं के बीच डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.76 पर खुला और फिर 90.73 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दर्शाता है।रुपया शुक्रवार को 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.94 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.47 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती

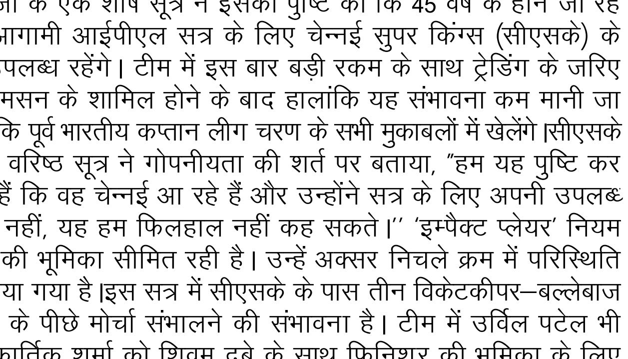

कारोबार में 621.78 अंक चढ़कर 83,436.49 अंक पर जबकि निफ्टी 180.05 अंक की बढ़त के साथ 25,751.30 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70.98 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने 934.61 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

अदाणी डिफेंस भारत में बनेंगे ई175 जेट, को मिलेगी नई रफ्तार।

अदाणी डिफेंस और ब्राजील की एम्ब्रेयर ने भारत में ई175 विमानों के लिए एक फाइनल असेंबली लाइन स्थापित करने हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य देश में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना और एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और ब्राजील की प्रमुख विमान विनिर्माता एम्ब्रेयर ने ई175 क्षेत्रीय जेट विमानों के लिए भारत में फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) स्थापित करने की योजना बनाई है। इस संबंध में दोनों कंपनियों के अधिकारियों ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनेसियो लुला डा सिल्वा और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में उन्नत समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान–प्रदान किया। यह कदम 27 जनवरी को घोषित रणनीतिक सहयोग के बाद उठाया गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, जनवरी में हस्ताक्षरित शुरुआती एमओयू से आगे बढ़ते हुए यह पहल भारत में एकीकृत क्षेत्रीय परिवहन विमान (आरटीए) पारिस्थितिकी विकसित करने की व्यापक रूपरेखा का हिस्सा है। ई175 विमान में अधिकतम 88 यात्री बैठ सकते हैं और इसे दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के शहरों के बीच क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए तैनात किया जा सकता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि बड़े विमानों द्वारा कम सेवा वाले इन बाजारों में ई175 विमान नए मार्ग, बेहतर संपर्क और विश्वसनीय परिचालन को सक्षम बना सकता है।

अब वायस कमांड से करें पेमेंट, माईक्रोसाप्ट ने बदला ऐप का अंदाज

भुगतान मंच फोनपे ने माइक्रोसॉफ्ट फाउंड्री के सहयोग से एक उन्नत एआई–आधारित सुविधा पेश की है, जो उपयोगकर्ताओं को वॉयस और टेक्स्ट कमांड के माध्यम से भुगतान और अन्य कार्यों को सहजता से पूरा करने में सक्षम बनाती है। भुगतान मंच फोनपे ने शनिवार को कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित माइक्रोसॉफ्ट फाउंड्री की प्रौद्योगिकी से विकसित एक नई सुविधा शुरू की है। इसकी मदद से उपयोगकर्ता केवल बोलकर या लिखित निर्देश देकर ऐप में काम कर सकते हैं, भुगतान कर सकते हैं और अपने लेन–देन का हिसाब आसानी से देख सकते हैं। फोनपे ने एक बयान में कहा कि इस सुविधा की मदद से उपयोगकर्ता ऐप में काम शुरू करने और पूरा करने में आसानी महसूस करेंगे।

रजनीकांत-कमल हासन की फिल्म केएचएक्सआरके का प्रोमो वीडियो जारी

लगभग आधी सदी (47 साल) के लंबे इंतजार के बाद, दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो सबसे बड़े महानायक रजनीकांत और कमल हासन एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं. इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं. इस फिल्म का नाम अभी नहीं बताया गया है. फिलहाल इस मेगा–प्रोजेक्ट को अस्थायी रूप से केएचएक्सआरके नाम दिया गया है.शनिवार को इस फिल्म के निर्माताओं ने इसका पहला प्रोमो वीडियो जारी किया. इस प्रोमो वीडियो में एक जबरदस्त रेट्रो और गैंगस्टर–स्टाइल थीम दिखाई गई है. वीडियो की शुरुआत काफी मजेदार अंदाज में होती है, जहां निर्देशक नेल्सन को एक गलियारे में घबराहट के साथ चलते हुए देखा जा सकता है. वे इस उलझन में नजर आते हैं कि उन्हें पहले रजनीकांत के कमरे में जाना चाहिए या कमल हासन के.ठीक उसी समय, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर अपनी एक अलग दुविधा के साथ वहां आते हैं. वे नेल्सन से पूछते हैं कि उन्हें फिल्म के संगीत के लिए कौन सा राग चुनना चाहिए. अपनी दो उंगलियां दिखाते हुए, अनिरुद्ध नेल्सन को संदेह होने पर कोई एक चुन लें वाला क्लासिक तरीका अपनाने का सुझाव देते हैं.अनिरुद्ध को फैसला लेने में मदद करने के बाद, नेल्सन इसी ट्रिक का इस्तेमाल अपनी बड़ी उलझन सुलझाने के लिए करते हैं. यानी दोनों दिग्गजों में से किसी एक को चुनने के लिए. इसके बाद एक मजेदार मोंटाज (दृश्यों का सिलसिला) आता है, जिसमें नेल्सन दोनों अभिनेताओं को तैयार होने में मदद करते हुए दिखाई देते हैं.वे मजाकिया अंदाज में उनके सामान और कपड़ों को आपस में मिला देते हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ दावा करते हैं कि एक खास जूता रजनीकांत का है, जिससे दोनों सितारे साफ तौर पर चिढ़ते हुए नजर आते हैं.इसके बाद प्रोमो का मिजाज पूरी तरह बदल जाता है. वीडियो में बेहद नाटकीय अंदाज में कमल हासन और रजनीकांत के स्टाइलिश लुक का खुलासा होता है. दोनों सितारे फुल–लेंथ लेदर जैकेट पहने नजर आ रहे हैं, जो एक जबरदस्त रेट्रो गैंगस्टर वाइब दे रहा है. वे पूरे टशन के साथ एक अंधेरे गैरेज में खड़ी कार की ओर बढ़ते हैं. कमल हासन ड्राइवर की सीट संभालते हैं जबकि रजनीकांत उनके बगल में बैठते हैं। यह क्लिप एक दमदार मोड़ पर खत्म होती है जब

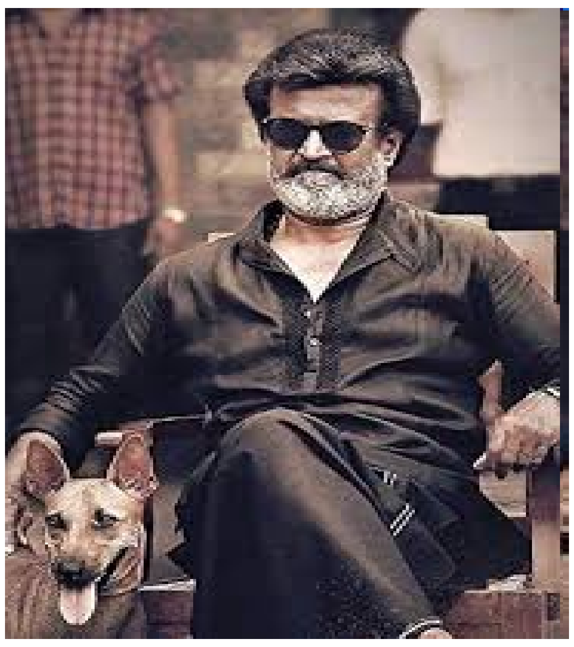

दोनों नेल्सन की ओर मुड़ते हैं और उससे पूछते हैं, हीरो कौन है?इससे पहले, निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर जारी किया था. इस पोस्टर का डिजाइन विंटेज लुक वाला था, जिसमें लेदर जैकेट पहने दो पुरुषों के हाथ दिखाए गए थे. उनके हाथों में सोने की घड़ी और एक अंगूठी नजर आ रही थी, जो उनके क्लासिक रेट्रो स्वैग (पुराने दौर के टशन) की ओर इशारा कर रही थी. पोस्टर पर टैगलाइन लिखी थी– कुछ लोग नियम बनाते हैं, कुछ लोग राज करते हैं.

आ गया कोंकणा सेन शर्मा की अक्यूज्ड का ट्रेलर, 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी साइकोलाजिकल थ्रिलर

नेटफ्लिक्स ने इस महीने की शुरुआत में ओटीटी पर रिलीज होने जा रहीं फिल्मों और सीरीज का ऐलान किया था। इसमें साइकोलॉजिकल थ्रिलर अक्यूज्ड का नाम भी शामिल था, जिसने दर्शकों के बीच हलचल पैदा कर दी। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर अक्यूज्ड का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया गया, जो सस्पेंस और थ्रिलर से भरा हुआ है। अनुभूति कश्यप द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा लीड रोल में नजर आने वाली हैं।अक्यूज्ड के ट्रेलर की बात करें तो ये पोलैंड में सेट एक सस्पेंस–ड्रामा है, जिसकी कहानी का केंद्र डॉक्टर गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा) और उसकी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) हैं। गीतिका, पोलैंड के एक जाने–माने हॉस्पिटल में एचओडी के तौर पर काम कर रही है और एक मशहूर गायनेकोलॉजिस्ट है। वह डीन बनने की तैयारी कर रही है और अपनी पार्टनर मीरा के साथ मिलकर बच्चे अडॉप्ट करने की प्लानिंग करती है। तभी वो सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के निशाने पर आ जाती

है। उस पर यौन दुराचार के आरोप लगते हैं, जिसके चलते गीतिका की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में भूचाल आ जाता है। इसके पीछे कौन है और सच क्या है, इसका पता अक्यूज्ड देखने पर ही चलेगा।जानकारी के लिए बता दें कि अक्यूज्ड का निर्माण करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्वा मेहता और सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होना शुरू हो जाएगी। मेकर्स ने ट्रेलर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा– एक गुमनाम संदेश। और मीरा और गीतिका की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है। 27 फरवरी को रिलीज हो रही अक्यूज्ड सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखें।सोशल मीडिया यूजर्स ने अक्यूज्ड के ट्रेलर पर जकर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूट्यूब यूजर ने कमेंट किया, वाह! ये तो कमाल है!! दूसरे ने लिखा, हे भगवान! इसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। कितना बढ़िया ट्रेलर है! मुझे कोंकणा बहुत पसंद हैं, ये मेरे पसंदीदा हैं। वहीं कुछ यूजर्स ने फिल्मांकन, साउंड और बैकग्राउंड म्यूजिक की भी सराहना की, एक यूजर ने लिखा, क्या शानदार फिल्मांकन, साउंड और बैकग्राउंड म्यूजिक है!कोंकणा और प्रतिभा के अलावा, फिल्म में मशहूर अमरोही भी अहम भूमिकाओं में हैं।

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स की अगली भव्य फीचर फिल्म में अनूपमा परमेश्वरन

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स ने अपनी आगामी फीचर फिल्म की आधि ाकारिक घोषणा कर दी है, जिसमें पैन–साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री अनूपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह एक सघन मनोवैज्ञानिक थ्रिलर होगी, जिसका निर्देशन शान करेंगे और निर्माण शिविन नरंग, प्रेरणा अरोड़ा और किरण बल्लापल्ली द्वारा एक अग्रणी स्टूडियो के सहयोग से किया जाएगा। यह फिल्म निर्देशक शान के साथ अनूपमा परमेश्वरन की बड़े पर्दे पर वापसी का प्रतीक है। इससे पहले दोनों की लघु फिल्म को जबरदस्त सराहना मिली थी। डिजिटल मंच पर मिली उस सफलता के बाद अब यह सहयोग एक पूर्ण रूप से सिनेमाई अनुभव में परिवर्तित हो रहा है, जिसमें व्यापक पैमाना, गहराई और प्रभाव देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने वाली है, जबकि शीर्षक की घोषणा बाद में की जाएगी। इस परियोजना की घोषणा अनूपमा परमेश्वरन के जन्मदिन के अवसर पर की गई, जिससे यह पल और भी विशेष बन गया। निर्माताओं ने अभिनेत्री को शुभकामनाएँ देते हुए एक भावनात्मक और सशक्त सिनेमाई यात्रा की झलक भी पेश की।इस सहयोग पर अपनी बात रखते हुए निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा,इस फिल्म में अनूपमा परमेश्वरन के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास है। उनमें सहज आत्मविश्वास, भावनात्मक सच्चाई और पात्रों को गहराई से समझने की दुर्लभ क्षमता है, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों से सीधे जुड़ती है। अलग–अलग भाषाओं में दर्शकों के साथ उनका स्वाभाविक जुड़ाव मैंने हमेशा सराहा है। यह परियोजना उनके अभिनय की ताकत को नए स्तर पर प्रस्तुत करने का एक आदर्श मंच है। उन्हें इस फिल्म का नेतृत्व करते हुए देखकर मैं सचमुच उत्साहित हूँ और इस रचनात्मक यात्रा की शुरुआत का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।एस के जी एंटरटेनमेंट ने हाल ही में जटाध ारा रिलीज की है, जिससे उसके विविध ा और मजबूत प्रोडक्शन स्लेट को और मजबूती मिली है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित निर्माता प्रेरणा अरोड़ा इससे पहले रुस्तम, टॉयलेटरू एक प्रेम कथा, पैड मैन और परी जैसी चर्चित फिल्मों

का निर्माण कर चुकी हैं और निरंतर कंटेंट–प्रधान तथा दर्शक–केंद्रित सिनेमा का समर्थन करती रही हैं।अनूपमा परमेश्वरन आज दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा और मांग में रहने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। प्रेमम, कार्तिकेय 2, डीजे टिल्लू और राक्षसुडु जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली है। वे तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में लगातार दर्शकों का दिल जीतती आ रही हैं और पैन–इंडियन पहचान बनाए हुए हैं।

सेयोन का टीजर हुआ रिलीज, कमल हासन की फिल्म में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

कमल हासन की फिल्म सेयोन का दमदार टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर में शिवकार्तिकेयन भगवान विरुमंदी के रूप में नजर आए।

इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है। शिवकार्तिकेयन का 41 वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म सेयोन का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकेयन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकेयन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान

विरुमंडी कहकर बुलाते हैं।

कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकेयन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, ये भगवान विरुमंडी हैं। एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, ओजी वापस आ गया है। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है। फिल्म का नाम सेयोन है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म विरुमंडी (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। टीजर में एक व्यक्ति बताता है कि शिवकार्तिकेयन का किरदार पहले सेना में था और बाद में गांव के संघर्ष में शामिल हो गया। यह फिल्म शिवकार्तिकेयन और निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की साथ में पहली फिल्म है। कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल इसे बना रही है। फिल्म में संगीत संतोष नारायणन का है। यह फिल्म अक्तूबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नानी की आने वाली फिल्म द पैराडाइज पहला गाना आया शेर 24 फरवरी को होगी रिलीज

नानी की आने वाली फिल्म द पैराडाइज, जिसे श्रीकांत ओडेला ने डायरेक्ट किया है, फैंस के बीच चर्चा बटोर रही है। फिल्म का पहला सिंगल, आया शेर, नानी के जन्मदिन, 24 फरवरी को रिलीज होने वाला है, और इसमें उनके सबसे बड़े डांस मोमेंट्स होने का वादा है।खबर है कि यह गाना नानी के लिए बनाया गया सबसे महंगा गाना है, जिसे बहुत

सारे डांसर्स और एक बड़े सेट के साथ बड़े पैमाने पर फिल्माया गया है। गाने की शूटिंग पूरी हो गई है, और अनिरुद्ध ने एक जबरदस्त ट्रैक दिया है जो रोंगटे खड़े कर देगा।आया शेर को सुंदरम मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है और यह एक शानदार विजुअल होने का वादा करता है। उम्मीद है कि यह ट्रैक फिल्म की चर्चा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, और फैंस इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि नानी के डांस मूव्स गाने की खासियत हैं, जो उनके फैंस के लिए एक ट्रीट है।

गाने का शानदार सेटअप और बड़ा डांस ग्रुप इसे यादगार बना देगा। अनिरुद्ध के म्यूजिक और सुंदरम मास्टर की कोरियोग्राफी के साथ, आया शेर एक यादगार अनुभव बनने जा रहा है।

तापसी पन्नू को मृणाल ठाकुर ने दी पटखनी, अस्सी से आगे निकली दो दीवाने शहर में, ओ रोमियो का जलवा बरकरार

बॉलीवुड के लिए ये शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक साबित नहीं हुआ। तापसी पन्नू की अस्सी, जिसे समीक्षकों से तो सराहना मिली, लेकिन दर्शकों को खींचने में ये फिल्म पहले दिन पूरी तरह विफल रही, वहीं युवाओं के बीच चर्चा बटोर रही मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की दो दीवाने शहर में ने भी बॉक्स ऑफिस पर बेहद ठंडी शुरुआत की है। हालांकि, दो दीवाने शहर में की पहले दिन की कमाई ने अस्सी को पछाड़ दिया है।सैकनिल्क के मुताबिक, अस्सी ने अपने पहले दिन देशभर में मात्र 1 करोड़ रुपये कमाए। ये आंकड़ा इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इस साल आई यामी गौतम की महिला केंद्रित की छोटे बजट की फिल्म हक भी कमाई के मामले में इससे आगे रही। इसने भी 1.75 करोड़ रुपये बटोरे थे। मुल्क और थप्पड़ जैसी सफल फिल्मों के बाद निर्देशक अनुभव सिन्हा और तापसी इस बार अस्सी लेकर आए, जिसे तारीफ तो खूब मिली, लेकिन दर्शक नसीब नहीं हुए।फिल्म समीक्षकों और ट्रेड पंडितों का स्पष्ट मानना है कि अस्सी जैसी गंभीर और विषय–प्रध ान फिल्मों का भविष्य पूरी तरह से वर्ड ऑफ माउथ यानी दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है। पहले दिन की सुस्त शुरुआत के बाद फिल्म के पास संभलने के लिए अब केवल वीकेंड का ही सहारा है। अब अगर शनिवार और रविवार को फिल्म की कमाई में बढ़िया उछाल नहीं आता तो सोमवार से फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर टिक पाना नामुमकिन हो जाएगा।उधर दो दीवाने शहर में ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये कमाए। हालांकि, ये आंकड़ा बड़ा नहीं है, लेकिन तापसी की फिल्म अस्सी (1 करोड़) के मुकाबले ये फिल्म 25 लाख की बढ़त बनाने में कामयाब रही। फिल्म को युवाओं और मल्टीप्लेक्स दर्शकों का साथ मिला है। रवि उदयावर के निर्देशन वाली ये फिल्म मुंबई के 2 युवाओं की कहानी है, जो अपनी कमियों और अकेलेपन के बीच प्यार तलाशते हैं। शहरी युवाओं को इसकी कहानी खूब भा रही है। दूसरी ओर शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूती से बनाए हुए है। अपने दूसरे हफ्ते में होने के बावजूद ये नई रिलीज फिल्मों (अस्सी और दो दीवाने शहर में) पर भारी पड़ रही है।

फिल्म ने अपने दूसरे शुक्रवार को लगभग 2.25 करोड़ रुपये कमाए।

ऋचा चड्ढा ने बयां किया करियर का शुरुआती अनुभव

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा। उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनसे संपर्क करने में हिचकिचाएं नहीं। आम धारणा है कि बड़े एक्टर्स से अप्रोच करना मुश्किल होता है, लेकिन ऋचा ने इसे गलत बताया।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक सोच है कि हमसे संपर्क करना कठिन है, लेकिन यह सच नहीं। मेरे लिए सिर्फ अच्छी स्क्रिप्ट, सच्ची राइटिंग और कहानी का असर मायने रखता है। मैं हमेशा सही

कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं।ऋचा ने शुरुआती दिनों में कम आंके जाने की बात भी कही। वह चाहती हैं कि इंडी क्रिएटर्स बिना झिझक के अच्छे रोल और कहानियों के लिए संपर्क करें।ऋचा एक नई नॉन–फिक्शन सीरीज का निर्माण कर रही हैं। इसके जरिए ऋचा का मकसद दर्शकों को जानी–पहचानी जगहों को नई नजर से देखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कम जानी–पहचानी कहानियों को उजागर कर भारत की सांस्कृतिक गहराई और इंसानी जज्बे को सेलिब्रेट करना है। यह सीरीज ट्रैवल, कल्चर और भारत भर में लोगों और जगहों को परिभाषित करने वाली कहानियों पर आधारित होगी। यह जिज्ञासा और सहानुभूति से प्रेरित कहानी है। सीरीज भारत की विविधता समुदायों, परंपराओं और जीवन अनुभवों की कहानी को दिखाएगी। दर्शकों को आज के नजरिए से संस्कृति का जीवंत और इमर्सिव अनुभव मिलेगा।

रवि किशन की सीरीज साइको सैयां का ट्रेलर जारी, 25 फरवरी एमएक्स प्लेयर पर देगी दस्तक

रवि किशन की आगामी रोमांटिक थ्रिलर वेब सीरीज साइको सैयां का आधिकारिक ट्रेलर जारी हो गया है। इसमें अनुद सिंह ढाका, तेजस्वी प्रकाश और सुरभि चांदना भी प्रमुख किरदारों में हैं। उज्जैन, कटनी और जॉर्जिया के बैकग्राउंड पर बनी इस सीरीज की कहानी आम प्रेम–कहानियों से बिल्कुल अलग है। ट्रेलर एक फिल्मी रोमांस की तरह शुरू होता है, जो धीरे–धीरे अपने गहरे रहस्य को उजागर करता है। देखते ही देखते कहानी जुनून से बदले की ओर रुख कर लेती है।साइको सैयां के ट्रेलर के साथ इसकी रिलीज तारीख का एलान भी किया गया है। यह सीरीज 25 फरवरी से एमएक्स प्लेयर पर दस्तक देने के लिए तैयार है। दर्शक इसका लुत्फ फ्री में उठा सकेंगे। तेजस्वी इस सीरीज के जरिए ओटीटी पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने चारू नाम की लड़की का किरदार निभाया है। ट्रेलर से संकेत मिलता है कि कहानी आपसी टकराव, बढ़ती आपराधिक शक्तियों, भावनात्मक हेरफेर और लगातार कमजोर होते रिश्तों पर केंद्रित है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।